धनबाद, मंगलवार
12 मई 2026
वर्ष : 03 अंक : 221
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

सोमनाथ के शिखर पर पहली बार कुंभाभिषेक, पीएम मोदी ने की महापूजा

वायुसेना ने भी दिखाई जांबाजी, 75 साल का गौरव

अहमदाबाद,(एजेंसी) : गुजरात के गिर सोमनाथ में स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ के मंदिर में आज सोमनाथ अमृत महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। मंदिर के आधुनिक पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष धार्मिक अनुष्ठानों और महापूजा में भाग लिया। पूरा मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और भक्तिमय संगीत से सराबोर रहा। इस अवसर पर देशभर के साधु-संतों, कलाकारों और हजारों श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भी दिव्य बना दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ पहुंचकर सबसे पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा को नमन किया, जिन्होंने मंदिर के जीर्णोद्धार का संकल्प लिया था। इसके पश्चात, मंदिर के इतिहास में पहली बार शिखर पर कुंभाभिषेक

का अलौकिक दृश्य देखने को मिला। देश के 11 पवित्र तीर्थस्थलों के जल से भरे एक विशाल पांच फुट ऊंचे कलश को क्रेन की सहायता से करीब 90 मीटर ऊंचे मंदिर शिखर तक पहुंचाया गया, जहां शास्त्रों के अनुसार जलाभिषेक संपन्न हुआ। प्रधानमंत्री ने इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में पूरी श्रद्धा के साथ हिस्सा लिया।

धार्मिक समारोह के साथ-साथ आज सोमनाथ की धरती पर राष्ट्रभक्ति और शौर्य का संगम भी देखने को मिला। भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने मंदिर परिसर के ऊपर हैरतअंगेज एयर शो का प्रदर्शन किया। छह हॉक एमके-132 विमानों ने आसमान में आकर्षक फॉर्मेशन बनाकर दर्शकों का मन मोह लिया। मंदिर के भव्य शिखर के ऊपर वायुसेना के इन विमानों की गूँज और कलाबाजियों ने श्रद्धालुओं के बीच रोमांच भर दिया।

इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी का जामनगर से लेकर सोमनाथ तक अभूतपूर्व स्वागत किया गया। सोमनाथ पहुंचने पर उन्होंने एक भव्य रोड शो किया, जिसमें सड़क के दोनों ओर जमा जनसैलाब ने हर-हर महादेव के जयघोष के साथ उनका अभिनंदन किया। गुजरात सरकार और सोमनाथ ट्रस्ट ने इस महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की थीं। मंदिर को विशेष लाइटिंग और विदेशी फूलों से सजाया गया है, जिससे रात्रि के समय इसकी आभा और भी मनोरम हो गई है। यह उत्सव न केवल आस्था का प्रतीक बना, बल्कि आधुनिक भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति के पुनर्जागरण का भी संदेश दे गया।

विदेशी वस्तुओं का उपयोग कम करें, ईंधन बचाएं : पश्चिम एशिया संकट के बीच मोदी की फिर अपील

वडोदरा,(एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संकट और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच सोमवार को लगातार दूसरे दिन देशवासियों से विदेशी मुद्रा बचाने और आयातित वस्तुओं पर निर्भरता कम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश के संसाधनों पर बोझ घटाने के लिए हर नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

वडोदरा में सरदार धाम से जुड़े विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, ह्लहमें हर छोटे-बड़े प्रयास से ऐसे उत्पादों का उपयोग कम करना है, जो विदेश से आते हैं और ऐसे व्यक्तिगत कामों से भी बचना है, जिनमें विदेशी मुद्रा खर्च होती हो।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हर साल लाखों करोड़ रुपये विदेशी वस्तुओं और कच्चे तेल के आयात पर खर्च करता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हुई हैं और ऊर्जा कीमतों पर दबाव बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि जब-जब देश युद्ध या किसी बड़े संकट से गुजरा है, तब-तब नागरिकों ने सरकार की अपील पर अपने दायित्व निभाए हैं और अब भी वैसी ही सामूहिक जिम्मेदारी निभाने की आवश्यकता है।

मोदी ने लोगों से पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन का अधिक इस्तेमाल करने और कार पूलिंग को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि मेट्रो, इलेक्ट्रिक बसों और अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों के अधिक उपयोग से विदेशी मुद्रा की बचत में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटल तकनीक ने कामकाज को आसान बनाया है और सरकारी तथा निजी संस्थानों में वर्चुअल बैठकों तथा ह्यवर्क फ्रॉम होम जैसे विकल्पों को प्राथमिकता देने से ईंधन की खपत कम की जा सकती है। रविवार को हैदराबाद में अपने संबोधन में भी उन्होंने कोरोना काल की तरह वर्क फ्रॉम होम ऑनलाइन बैठकों और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को फिर से अपनाने की जरूरत पर जोर दिया था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की बड़ी राशि सोने के आयात पर भी खर्च होती है

तमिलनाडु: शपथ ग्रहण के अगले ही दिन नई सरकार में रार

थिरुमावलवन ने विजय की नीतियों पर उठाए सवाल

चेन्नई(एजेंसी) : तमिलनाडु में नई सरकार के गठन को अभी 24 घंटे भी नहीं बीते हैं कि सत्ता पक्ष और उसके सहयोगी दलों के बीच वैचारिक मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। मुख्यमंत्री थलपति विजय की पार्टी टीवीके को समर्थन देने वाली वीसीके के प्रमुख थोल थिरुमावलवन ने शपथ ग्रहण समारोह की प्रक्रिया और मुख्यमंत्री के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

थिरुमावलवन ने शपथ ग्रहण समारोह में प्रोटोकॉल के उल्लंघन का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की स्थापित परंपरा के अनुसार, सरकारी कार्यक्रमों की शुरूआत तमिल थाई वलथु (राज्य गीत) से होती है। लेकिन विजय के समारोह में सबसे पहले वंदे मातरम बजाया गया, उसके बाद राष्ट्रगान हुआ और अंत में तमिल थाई वलथु को जगह मिली। थिरुमावलवन ने सवाल उठाया कि क्या यह बदलाव

राज्यपाल को खुश करने के लिए किया गया था? उन्होंने इसे क्षेत्रीय अस्मिता के खिलाफ बताते हुए कहा कि वंदे मातरम जैसे गीत को प्राथमिकता देना चिंताजनक है, क्योंकि इस पर अक्सर धार्मिक रंग के आरोप लगते रहे हैं।

कर्ज के आंकड़ों पर पलटवार

मुख्यमंत्री विजय ने पद संभालते ही पिछली सरकार पर 10 लाख करोड़ रुपये का कर्ज छोड़ने और खजाना खाली करने का आरोप लगाया था। इस पर पलटवार करते हुए वीसीके प्रमुख ने कहा कि केवल कर्ज के आंकड़ों को पेश करना जनता में डर पैदा करने की कोशिश है। उन्होंने तर्क दिया कि कर्ज का आकलन हमेशा राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में होना चाहिए, और वर्तमान में तमिलनाडु का कर्ज 15वें वित्त आयोग की सीमा के भीतर है।

सराहना और नसीहत विवादों के बीच, थिरुमावलवन ने मुख्यमंत्री की तीन घोषणाओं–नशामुक्ति, महिला सुरक्षा और 200 यूनिट मुफ्त बिजली–का स्वागत किया। हालांकि, उन्होंने मुख्यमंत्री से स्पष्टीकरण मांगा कि क्या उनकी सरकार पूरी तरह धर्मनिरपेक्ष रहेगी? उन्होंने कहा कि बदलाव के नारे के साथ सत्ता में आए विजय को अपनी विचारधारा स्पष्ट करनी चाहिए

प्रॉपर्टी बाजार धड़ाम! कई शहरों में 2005 जैसे दाम, लोगों ने बंद की ईएमआई

नाराज खरीदारों ने शुरू किया मॉर्गेज बायकाट

लंबे समय तक प्रॉपर्टी बाजार कृत्रिम रूप से बढ़ाया गया

बड़ी रियल एस्टेट कंपनियां भारी कर्ज में डूबी

आर्थिक संकट के कारण कई प्रोजेक्ट अधूरे

बीजिंग/नई दिल्ली । दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन इन दिनों गंभीर प्रॉपर्टी संकट से गुजर रही है। हालात ऐसे बन गए हैं कि कई शहरों में मकानों और फ्लैटों की कीमतें 15-20 साल पुराने स्तर तक पहुंच गई हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार चीन के कई हिस्सों में प्रॉपर्टी के दाम 2005-06 के आसपास के रेट तक गिर चुके हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि लाखों लोगों ने होम लोन की किस्तें यानी ईएमआई देना तक बंद कर दिया है।

चीन में पिछले कुछ वर्षों के दौरान एवरग्रांडे, कंट्री गार्डन और वांके जैसी बड़ी रियल एस्टेट कंपनियां भारी कर्ज में डूब गईं। इन कंपनियों ने लोगों से पैसा लेकर हजारों प्रोजेक्ट शुरू किए, लेकिन आर्थिक संकट के कारण कई प्रोजेक्ट अधूरे रह गए। इससे नाराज खरीदारों ने मॉर्गेज बायकाट शुरू कर दिया और बैंकों को ईएमआई देना बंद कर दिया।विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में लंबे समय तक प्रॉपर्टी बाजार कृत्रिम रूप से बढ़ाया गया। लोगों ने निवेश के लिए बड़ी संख्या में फ्लैट खरीदे, लेकिन वास्तविक मांग उतनी नहीं थी। जब अर्थव्यवस्था धीमी हुई और रोजगार संकट बढ़ा, तब प्रॉपर्टी बाजार का बुलबुला फूटने लगा।अब सवाल उठ रहा है कि क्या भारत में भी ऐसे हालात पैदा हो सकते हैं? रियल एस्टेट विशेषज्ञों के अनुसार भारत और चीन की स्थिति पूरी तरह समान नहीं है। भारत में अभी भी शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है और घरों की वास्तविक मांग बनी हुई है। भारत में अधिकांश लोग जरूरत के लिए मकान खरीदते हैं, जबकि चीन में निवेश के लिए बड़े पैमाने पर खरीदारी हुई थी।

हालांकि विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। यदि बिल्डरों द्वारा अधूरे प्रोजेक्ट, अत्यधिक कर्ज, कृत्रिम कीमतें और निवेश आधारित खरीदारी तेजी से बढ़ी, तो भविष्य में कुछ शहरों में दबाव बन सकता है। खासतौर पर महानगरों में लगातार बढ़ती प्रॉपर्टी कीमतों और ऊंची ईएमआई को लेकर चिंता जताई जा रही है। आर्थिक जानकारों का कहना है कि भारत में रेरा कानून, बैंकिंग नियंत्रण और अपेक्षाकृत मजबूत मांग फिलहाल सुरक्षा कवच का काम कर रहे हैं। फिर भी चीन का उदाहरण यह बताता है कि यदि रियल एस्टेट बाजार केवल सट्टेबाजी और कर्ज पर आधारित हो जाए, तो बड़े आर्थिक संकट की स्थिति पैदा हो सकती है।

नए लेबर कोड में अब नौकरी पर जब चाहे रखो और जब चाहे निकालो

खड़गे ने केंद्र के लेबर कोड लागू करने को मजदूरों के अधिकारों को झटका बताया

नई दिल्ली,(एजेंसी) : कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश में लागू हुए चार नए लेबर कोड पर आपत्ति जताते हुए इसे मजदूरों के हितों के लिए एक झटका बताया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने बिना किसी सलाह के चार नए लेबर कोड लागू कर दिए। खड़गे ने एक बयान में कहा कि मोदी सरकार विधानसभा चुनाव खत्म होने का इंतजार करती रही। इसके बाद 8 और 9 मई 2026 को गजट अधिसूचना जारी कर चार मजदूर-विरोधी श्रम संहिताओं को लागू कर दिया।

भारत के करोड़ों मजदूरों के लिए ये संहिताएं हायर एंड फायर की नीति ला रही हैं यानी नौकरी पर जब चाहे रख लो और जब चाहे निकाल दो। साथ ही ठेका पर रोजगार बढ़ेगा और

ट्रेड यूनियन बनाने की गुंजाइश भी बहुत कम हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना अहम है कि मोदी सरकार ने इन मजदूर-विरोधी संहिताओं का मसौदा तैयार किया और उन्हें बिना किसी परामर्श के लागू कर दिया। इसने 2015 के बाद से भारतीय श्रम सम्मेलन भी नहीं बुलाया। आजादी के बाद से मजदूरों के अधिकारों के लिए सबसे बड़ा झटका है।

नए नियमों के तहत मूल वेतन कुल पारिश्रमिक का 50 फीसदी या उससे ज्यादा होना चाहिए। कर्मचारियों के लिए हाथ में आने वाले वेतन में भारी कमी देखने को मिलेगी। वेतन की एक जटिल और एकल परिभाषा ने वेतन संरचना को पूरी तरह से उलट दिया है, जिससे भत्ते कम हो गए और भारी भ्रम पैदा हो गया है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों पर अतिरिक्त लागतों और डिजिटल अनुपालन का नया बोझ उनके अस्तित्व के लिए एक चुनौती बन गया है। न्यूनतम वेतन सुरक्षा में कृषि मजदूरों और घरेलू सहायकों को शामिल नहीं किया गया है।

खड़गे ने व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य-दशा संहिता 2020 का जिक्र करते हुए कहा कि इस संहिता में कार्यस्थल पर सुरक्षा को नियोक्ता का अनिवार्य कर्तव्य मानने के बजाय, उसे सिर्फ व्यवसाय की एक अतिरिक्त खर्च बना दिया है। यह संहिता अपराध-मुक्तिकरण का ढांचा लाती है। सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने पर चाहे उससे गंभीर चोट या दुर्घटना ही क्यों न हो अब आपराधिक मुकदमा चलाने के बजाय सिर्फ जुमार्ना भरने की व्यवस्था है। रात की शिफ्ट में काम करने वाली महिलाओं के लिए एस्कॉर्ट, ट्रांसपोर्ट और सीसीटीवी कवरेज जैसे सुरक्षा उपायों के लिए कोई ठोस, अनिवार्य मॉडल नहीं है। कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले मजदूरों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए नियोक्ता की जिम्मेदारी का कोई प्रावधान नहीं है।

खरगे ने कहा कि भारत के 90 फीसदी मजदूर जो असंगठित क्षेत्र में हैं, उनके लिए यह संहिता कागजी औपचारिकता से ज्यादा कुछ नहीं, क्योंकि छोटे और सूक्ष्म उद्यमों को कुछ प्रावधानों से छूट मिली हुई है। गिग वर्कर के लिए फंडिंग, योगदान या बीमा का कोई स्पष्ट मॉडल नहीं है। उन्हें न तो कर्मचारी के तौर पर मान्यता दी गई है

भारत-श्रीलंका के रिश्तों की मजबूत नींव साझा सभ्यतागत विरासत : ओम बिरला

नई दिल्ली, (एजेंसी) : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि भारत और श्रीलंका सदियों पुराने सभ्यतागत, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों से जुड़े हुए हैं तथा दोनों देशों की साझा बौद्ध विरासत आज भी द्विपक्षीय मैत्री की मजबूत आधारशिला है।

बिरला ने सोमवार को संसद भवन में श्रीलंका के ह्यमहिला संसद कॉकसह्ण के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान यह बात कही। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्रीलंका सरकार की महिला एवं बाल मामलों की मंत्री सरोजा सावित्री पॉलराज कर रही थीं।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच संसदीय आदान-प्रदान लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने हाल ही में एस.एम. मरिक्कर के नेतृत्व में आए श्रीलंकाई संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई चर्चा का उल्लेख करते हुए कहा कि सांसदों के बीच नियमित संवाद से दोनों देशों के संबंधों को नई गति मिली है और आपसी समझ मजबूत हुई है।महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का

उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण अब ह्लमहिलाओं के विकासह्व से आगे बढ़कर ह्लमहिलाओं के नेतृत्व में विकासह्व का हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि जब महिलाएं विकास का नेतृत्व करती हैं तो समाज अधिक समावेशी, संतुलित और टिकाऊ बनता है।उन्होंने कहा कि नए संसद भवन में पारित पहला कानून ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियमह्ण था, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। उन्होंने इसे भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की निर्णायक भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।बिरला ने कहा कि भारत के कई राज्यों में स्थानीय स्वशासन संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है और वर्तमान में देशभर में 14 लाख से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि पंचायतों और शहरी निकायों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।उन्होंने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और लखपति दीदीह्ण जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों के माध्यम से ग्रामीण भारत में महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण तेजी से बढ़ा है

ब्रीफ न्यूज

आंध्र प्रदेश में पांच लाख की इनामी नक्सली 'लक्ष्मी' ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद, (एजेंसी) : आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में पांच लाख रुपये की इनामी महिला नक्सली पोडियम लक्ष्मी ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। लक्ष्मी ने औपचारिक रूप से अपने हथियार डाल दिए और मुख्यधारा में पुनर्वास का विकल्प चुना। यह आत्मसमर्पण छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र में हुआ, जहां लक्ष्मी लंबे समय से माओवादी आंदोलन की दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी की सदस्य के रूप में सक्रिय थी। पोडियम लक्ष्मी, छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र की निवासी है। वह छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश सीमा पर सक्रिय प्रमुख नक्सली कैडरों में से एक थी।

पुलिस के अनुसार, वह इस त्रि-जंक्शन क्षेत्र में माओवादी समूह के लिए गुरिल्ला गतिविधियों और रसद सहायता में गहराई से शामिल थी। इस क्षेत्र को संवेदनशील वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र माना जाता है। लक्ष्मी ने अल्लूरी सीताराम राजू जिले में पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया, जहां उसने औपचारिक प्रक्रिया के तहत अपने हथियार और गोला-बारूद सौंप दिए।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के चचेरे भाई भाजपा में शामिल

चंडीगढ़, (एजेंसी) : पंजाब में सोमवार को एक तरफ निकाय चुनावों का ऐलान हुआ, तो दूसरी तरफ मुख्यमंत्री भगवंत मान के चचेरे भाई ज्ञान सिंह मान भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने उन्हें पार्टी में शामिल किया।

भाजपा में शामिल होने वाले ज्ञान सिंह मान पूर्व के समय भगवंत मान का चुनाव प्रबंधन संभालते रहे हैं। वह लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव के दौरान भगवंत मान के प्रचार अभियान के इंचार्ज भी रहे हैं। संगरूर के गांव सतौज के रहने वाले ज्ञान सिंह मान ने साल 2012 के विधानसभा चुनाव से अपना सफर शुरू किया। 2013 में आम आदमी पार्टी के गठन के समय से ही संगठन की मजबूती के लिए कार्य किया। वह 2014 से 2022 तक संगरूर सांसद कार्यालय के प्रभारी रहे। 2022 के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री भगवंत मान के चुनाव क्षेत्र धूरी के कार्यालय प्रभारी के रूप में मुख्य भूमिका निभाई।

विदेशी मुद्रा बचाने, निवेश बढ़ाने और नवाचार पर जोर दें : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा संकट के बीच भारत को विदेशी मुद्रा संरक्षण, घरेलू निवेश बढ़ाने तथा नवाचार आधारित विनिर्माण पर विशेष ध्यान देना होगा। सीआईआई वार्षिक बिजनेस समिट को संबोधित करते हुए वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील का उल्लेख करते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में नागरिकों और उद्योग जगत दोनों को विदेशी मुद्रा बचाने और निर्यात बढ़ाने में योगदान देना चाहिए।उन्होंने कहा, संघर्ष अभी जारी है और शांति अभी काफी दूर दिख रही है। ऐसे समय में नागरिकों को विदेशी मुद्रा खर्च होने वाली चीजों पर अनावश्यक खर्च कम करना चाहिए और उद्योगों को अधिक निवेश तथा निर्यात बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए। मंत्री ने कहा कि भारत ने विवेकपूर्ण आर्थिक नीतियों के जरिए वैश्विक अस्थिरता के बावजूद पेट्रोल-डीजल कीमतों और मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखा है।

संक्षिप्त खबरें

जमशेदपुर में खुला झारक्राफ्ट का पहला आउटलेट, राज्य के श्रम मंत्री संजय यादव ने फीता काटकर किया उद्घाटन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर में झारक्राफ्ट का पहला आउटलेट का शुभारंभ सोमवार को हुआ।झारखंड सरकार के श्रम मंत्री संजय यादव ने फीता काटकर आउटलेट का उद्घाटन किया। स्थानीय ग्रामीण महिलाओं के द्वारा तैयार साड़ी, धोती, गमछा, लूंगी, बैग, घर के सजावट के समान,लाह की चूड़ी, तसर सिल्क की साड़ियां, और हाथ से बनी अन्य प्रोडक्ट सस्ते के ऊपर मिलेगी। इस मौके पर क्राफ्ट की एमडी गरिमा सिंह, मार्केटिंग हेड अश्विनी सहाय, पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त राजीव रंजन, डीटीओ धनंजय समेत कई का गणमान्य लोग मौजूद थे।झारक्राफ्ट के मार्केटिंग हेड अश्विनी ने बताया कोलकाता में थिएटर रोड में 13 मई को झारक्राफ्ट आउटलेट का उद्घाटन राज्य के श्रम मंत्री संजय यादव उद्घाटन करेंगे।

स्कूली बच्चों से भरा वाहन पलटा, आधा दर्जन बच्चे घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लातेहार : जिले के बरवाडीह प्रखंड मुख्यालय के संत क्लोरेट पब्लिक स्कूल के स्कूली बच्चे से भरा वाहन पलटने से आधा दर्जन से अधिक बचे घायल हो गए।घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर 12 बजे प्रखंड से करीब तीन किलोमीटर दूर लेदगाई स्थित संत क्लोरेट पब्लिक स्कूल से छूटी होने के बाद स्कूली वाहन बच्चों को पहुंचने बरवाडीह की ओर जा रहा था।इसी बीच पैरा गांव रेलवे लाइन के बगल में असंतुलित होकर वाहन पलट गई। जिससे वाहन में सवार आधा दर्जन से अधिक बच्चे घायल हो गए।घटना की सूचना पर आसपास के काफी संख्या में लोग वहां जमा हो गए, आसपास के लोगों की मदद से सभी बच्चों को सुरक्षित निकाला गया, घायल बच्चों को प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।जहां सभी घायल बच्चों का इलाज किया गया। हालांकि सभी बच्चे खतरे से बाहर बताए जा रहे है।घटना की सूचना पर बरवाडीह पुलिस घटना स्थल पहुंच कर आवश्यक जांच पड़ताल शुरू कर दिया है।

तिसरी में सड़क दुर्घटना में एक की मौत, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : तिसरी थाना क्षेत्र अंतर्गत गांवा-तिसरी मुख्य पथ पर सोमवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया जिसमें एक व्यक्ति की मौ तहो गई है। बता दें की केंवटाटांड पुल के पास एक अज्ञात वाहन ने सामने से आ रहे बाइक सवार को सीधी टक्कर मारी और फरार हो गया।दुर्घटना में खटपोक के रहने वाले रामेश्वर यादव का पुत्र सूरज यादव गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसे ईलाज के लिए ले जाने के क्रम में मौत हो गई।युवक की मौत के बाद आक्रोशित लोगों ने तिसरी- गांवा मार्ग को जाम कर दिया है।घटना की सूचना पाकर पुलिस भी जाम स्थल पर पहुंच गई है।बताया जाता है कि सूरज यादव अपनी होंडा शाइन बाइक से अपने ससुराल ककनी जा रहा था जबकि टक्कर मारने वाली गाड़ी गांवा से गिरिडीह की ओर जा रही थी।

क्लस्टर मॉडल के विरोध में एआईडीएसओ का प्रदर्शन, सिंहभूम कॉलेज से होम साइंस हटाने पर जताया आक्रोश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र का एकमात्र डिग्री कॉलेज सिंहभूम कॉलेज चांडिल से क्लस्टर मॉडल के तहत गृह विज्ञान (होम साइंस) विषय की पढ़ाई बंद किए जाने के विरोध में सोमवार को ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन के बैनर तले छात्रों ने प्रदर्शन किया।छात्र संगठन ने कॉलेज प्रबंधन एवं कोल्हान विश्वविद्यालय की नीतियों पर सवाल उठाते हुए इसे छात्र हितों के खिलाफ बताया।प्रदर्शन के दौरान एआईडीएसओ के जिला सचिव युधिष्ठिर प्रमाणिक ने कहा कि सिंहभूम कॉलेज चांडिल की स्थापना वर्ष 1973 में हुई थी और स्थापना के कुछ वर्षों बाद ही कॉलेज में होम साइंस विषय की पढ़ाई शुरू की गई थी।लंबे समय से इस विषय में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं अध्ययन कर रहे हैं। इसके बावजूद विषय को बंद करना दुर्भाग्यपूर्ण और छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।उन्होंने कहा कि किसी भी कॉलेज में नए विषय शुरू करने के लिए वर्षों तक संघर्ष करना पड़ता है, लेकिन अब एक तुगलकी फरमान के जरिए विषयों को समाप्त किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि जहां शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, नए विषय शुरू करने, शिक्षकों एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति करने तथा आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की जरूरत है, वहीं कोल्हान विश्वविद्यालय पुनर्गठन के नाम पर स्ट्रीम वाइज एवं क्लस्टर मॉडल लागू कर पढ़ाई को कमजोर करने की दिशा में काम कर रहा है।युधिष्ठिर प्रमाणिक ने कहा कि इस नीति से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से दूर करने की साजिश की जा रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यह विरोध का पहला चरण है और यदि छात्र हितों की अनदेखी जारी रही तो आने वाले दिनों में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर एआईडीएसओ सिंहभूम कॉलेज कमेटी के सचिव राजा प्रामाणिक समेत कई छात्र उपस्थित थे।

गाड़ीखास गांव में आठ लाख रुपए का जेवर सहित 20 हजार नगद की चोरी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिले के पड़वा थाना क्षेत्र के गाड़ीखास गांव में बीते रात्रि बीरबल महतो के घर से अज्ञात चोरों ने 20 हजार नकद सहित करीब आठ लाख के जेवर और समान की चोरी कर ली गयी।इस संबंध मे बीरबल महतो ने सोमवार को पंडवा थाना मे प्राथमिकी दर्ज कराया है। उन्होंने बताया है कि करीब तीन बजे अहले सुबह बाथरूम के लिए गये, तो देखा कि घर का दरवाजा खुला है।पत्नी जिस घर मे सोयी थी उसका दरवाजा बाहर से सिटकनी बंद है।खुला कमरा मे गया, तो देखा कि समान बिखरा हुआ है, तीन सूटकेस, दो बक्सा गायब है।दीवान का बक्सा भी खुला हुआ है। घर के पास दिवाल में छिद्र बना हुआ था।चोरी गयी सामग्री में एक सोने का चैन, दो जोड़ी चांदी का पायल, एक सोने की अंगूठी, एक चांदी का कटोरा, एक चांदी का हाथ का छिला,दो जोड़ी सोने का कंगन, बिछिया, चांदी का ढोलना-चौकी, नाक का सोने का तीन पीन,चांदी का चार जोड़ा बेरा करीब आठ लाख का जेवर सहित नकद 20 हजार की चोरी हो गयी।

पतरातू में स्टेट लेवल इंफ्लुएंसर मीट आयोजित, झारखंड पर्यटन को डिजिटल पहचान दिलाने पर जोर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : पतरातू स्थित पर्यटन परिसर सरोवर विहार में सोमवार को स्टेट लेवल इंफ्लुएंसर मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झारखंड के पर्यटन मंत्री सुदीप कुमार सोनू, पर्यटन सचिव मुकेश कुमार, एमडी जेटीडीसी प्रेम रंजन, डिप्टी डायरेक्टर राजीव कुमार सिंह, रामगढ़ उपायुक्त ऋतुराज, एसपी मुकेश लुनायत मुख्य रूप से शामिल थे।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान अतिथियों को सॉल्व उड़ा कर वह मोमेंटो प्रदान कर उनका स्वागत किया गया। इस दौरान राज्यभर से आए डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स, इंफ्लुएंसर्स और मीडिया प्रतिनिधियों के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने को लेकर चर्चा की गई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन मंत्री ने कहा कि झारखंड प्राकृतिक सौंदर्य, जंगल, झरनों और पर्यटन स्थलों से समृद्ध राज्य है, लेकिन देशभर में इसकी डिजिटल पहचान

अभी भी सीमित है।उन्होंने कहा कि कोविड के बाद पर्यटन का स्वरूप तेजी से बदला है और अब डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से ही लोग किसी स्थान के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।ऐसे में झारखंड के स्थानीय कंटेंट क्रिएटर्स राज्य की वास्तविक तस्वीर देश-दुनिया तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड के स्थानीय कंटेंट क्रिएटर्स को पर्यटन विभाग के साथ जोड़कर उन्हें स्टेक-होल्डर पार्टनर के रूप में विकसित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग जब अपनी भाषा और अपने अनुभवों के साथ किसी पर्यटन स्थल को प्रस्तुत करेंगे तो उसकी विश्वसनीयता और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे।उन्होंने झारखंड को सेफेस्ट मॉनसून डेस्टिनेशन के रूप में प्रचारित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि राज्य में न तो लैंडस्लाइड की समस्या है और न ही पर्यटकों के फंसने जैसी स्थिति बनती है। मानसून के दौरान यहां के जंगल, झरने और डैम अपनी खूबसूरती के चरम पर होते हैं, जिसे डिजिटल माध्यम से देशभर तक पहुंचाने की जरूरत है।महिला सुरक्षा के मुद्दे पर भी मंत्री ने कहा कि झारखंड में महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना है और राज्य सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में अपनी पहचान बना सकता है।उन्होंने महिला कंटेंट क्रिएटर्स से भी अपने अनुभव साझा करने की अपील की.कार्यक्रम के दौरान पतरातू पर्यटन क्षेत्र के विकास को लेकर भी सवाल उठाए गए। इस पर मंत्री ने कहा कि वर्ष 2019 की तुलना में पतरातू में पर्यटकों की संख्या तीन गुना बढ़ चुकी है और आने वाले समय में कई नई योजनाएं धरातल पर दिखाई देंगी।उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं को जमीन पर उतरने में समय लगता है, लेकिन पतरातू को झारखंड के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।इंफ्लुएंसर प्रोग्राम को लेकर पूछे गए सवाल पर मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह योजना केवल बड़े सोशल मीडिया चेहरों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पत्रकारों और स्थानीय डिजिटल क्रिएटर्स को भी इससे जोड़ा जाएगा।उन्होंने कहा कि बेहतर कंटेंट तैयार करने वालों को विभाग की ओर से आर्थिक सहयोग भी मिलेगा। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे कंटेंट क्रिएटर्स और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स ने भी पर्यटन स्थलों के विकास, स्थानीय सहभागिता और सुविधाओं को लेकर अपने सुझाव रखे।

बीसीजी का टीका लगने के बाद बच्चे की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : एमजीएम अस्पताल में एक नवजात को बीसीजी का टीका लगने के लगभग तीन घंटे बाद उसकी मौत हो गयी। इसको लेकर परिजन अस्पताल पहुंच गये, अस्पताल में गलत टीका लगाने का आरोप लगाते हुए परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। वे लोग दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे थे। इसकी जानकारी मिलने पर एमजीएम थाना के पुलिस पदाधिकारी पहुंच कर मामले को किसी तरह शांत कराया। वहीं अनिल रवानी ने इस मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को लेकर एमजीएम थाना में लिखित शिकायत की है। गुरुद्वारा रोड निवासी उमेश कुमार ने बताया कि उनकी पत्नी को प्रसव के लिए शुक्रवार को एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शनिवार को नवजात का जन्म हुआ।उसके बाद रविवार

को अस्पताल से छुट्टी हो गयी।इस दौरान वैक्सीनेशन कार्ड भी अस्पताल से निर्गत कर दिया गया।उसके बाद नवजात को लेकर परिजन घर चले गये। सोमवार को बीसीजी का टीका लगवाने के लिए एमजीएम अस्पताल आये थे।टीका लगने के बाद वे घर लेकर जा रहे थे उसी दौरान बच्चा रो नहीं रहा था।कुछ देर बाद घर में देखा कि बच्चे का शरीर नीला होने के साथ बेसुध हो गया है।घर में बच्चे की स्थिति खराब होने पर अस्पताल लेकर आये जहां डॉक्टरों ने जांच करने के बाद बताया कि बच्चे की मौत हो गयी है।एमजीएम अस्पताल के शिशुरोग विशेषज्ञ सह शिशु विभाग के एचओडी डॉ रवींद्र कुमार ने बताया कि बीसीजी का टीका देने से किसी की मौत नहीं हो सकती है। बीसीजी के एक वाइल से 20 बच्चों को टीका दिया जाता है आज भी जिस वाइल से इस बच्चे को इंजेक्शन दिया गया। उससे 19 और बच्चे को दिया गया वे लोग सभी ठीक है।उन्होंने कहा कि इसको टीका का रिएक्शन भी नहीं हो सकता है क्योंकि किसी भी प्रकार का रिएक्शन 10 से 15 मिनट में दिखने लगता है। इसलिए किसी को भी किसी प्रकार का इंजेक्शन लगाया जाता है तो उसको 10 से 15 मिनट बैठने के लिए कहा जाता है उसके बाद ही जाने दिया जाता है। ताकि अगर किसी प्रकार का रिएक्शन हो तो पता चल जाये। जबकि बच्चे को लगभग 12 बजे टीका दिया गया और लगभग 3.30 बजे उसकी तबीयत खराब हुई है। ऐसी संभावना है कि बच्चे को कार्डियक अरेस्ट भी हो सकता है। लेकिन मौत की सही जानकारी पोस्टमार्टम के बाद ही पता चलेगा।

विश्वशांति पदयात्रा एवं जन-जागरूकता अभियान को लेकर पर्वतारोहियों ने उपायुक्त से की मुलाकात

पलामू : विश्वशांति पदयात्रा एवं जन-जागरूकता अभियान चला रही टीम ने सोमवार को जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत से शिष्टाचार मुलाकात की।इस दौरान टीम ने अपने विश्वशांति पदयात्रा अभियान एवं विभिन्न सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी उपायुक्त को दी। टीम ने बताया कि वे देश के विभिन्न राज्यों में भ्रमण कर विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लोगों को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, सड़क सुरक्षा, स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मतदाता जागरूकता सहित अन्य जनहितकारी विषयों पर जागरूक कर रहे हैं। साथ ही आगे भी पलामू जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के अभियान समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य करते हैं। उन्होंने टीम को हर संभव सहयोग का आश्वासन देते हुए आग्रह किया कि वे अपने अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक जनहितकारी योजनाओं एवं सामाजिक संदेशों को पहुंचाएं।उपायुक्त द्वारा शिक्षा विभाग एवं सड़क सुरक्षा समिति को भी आवश्यक सहयोग प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों में इस तरह के जागरूकता अभियान की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है, जिससे प्रारंभिक स्तर पर ही उनमें सामाजिक जिम्मेदारियों, अनुशासन एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता का विकास होता है।उपायुक्त ने विशेष रूप से ह्लसेल्फ एन्यूमरेशन (स्व-गणना)ह्व कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए बताया कि दिनांक 01 से 15 तक यह अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्व-गणना के तहत नागरिक स्वयं अपने एवं अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन पोर्टल अथवा मोबाइल के माध्यम से दर्ज कर सकते हैं, जिससे डेटा संग्रहण अधिक सटीक, पारदर्शी एवं समयबद्ध हो सकेगा।

ढाई करोड़ की लागत से बनेगा धुमकुड़िया का तीन मंजिला नया भवन, हुआ शिलान्यास

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : करमटोली स्थित केंद्रीय धुमकुड़िया के नये भवन का शिलान्यास सोमवार को कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने किया। शिलान्यास के अवसर पर मेयर रोशनी खलखो, विधायक सीपी सिंह, डिप्टी मेयर नीरज कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।इस अवसर पर मंत्री चमरा लिंडा ने अपने संबोधन में कहा कि आदिवासी समाज में शिक्षा के प्रति जागरुकता जरूरी है। तभी हम आगे बढ़ पायेंगे।जागरूकता से ही आदिवासी जमीन की लूट भी खत्म होगी।कल्याण मंत्री ने कहा कि धुमकुड़िया का नया भवन तीन मंजिला होगा।इसकी लागत ढाई करोड़ की होगी।उन्होंने कहा कि ग्राउंड फ्लोर पर आदिवासी समुदाय के गीत संगीत और वाद्य यंत्रों को गाने-बजाने का प्रशिक्षण दिया जायेगा यह फ्लोर कला को समर्पित होगा। दूसरे फ्लोर पर आदिवासी छात्रों के लिए कोचिंग होगी।यहां पर अच्छे शिक्षकों की नियुक्ति की जायेगी। छात्र प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करेंगे।तीसरे तल्ले में लाइब्रेरी होगी। इसके अतिरिक्त दस हजार स्कावयर फीट की जगह होगी जहां पर बड़ी सभा, शादी विवाह आदि का आयोजन किया जा सकेगा।

वकीलों का पैनल बनेगा कल्याण मंत्री ने कहा कि विभाग वकीलों का एक पैनल बनायेगा। यहां से अत्याचार, जमीन लूट जैसे मामलों को देखा जायेगा।लोग अपनी शिकायतें लेकर आयेंगे और ये अधिवक्ता उनका केस देखेंगे। इस मामले में मुख्यमंत्री से सहमति ली गयी है। मेयर रोशनी खलखो ने कहा कि धुमकुड़िया के माध्यम से समाज आगे बढ़े यह कामना है। विधायक सीपी सिंह ने कहा कि कल्याण विभाग के माध्यम से आदिवासियों के कल्याण की योजना आगे बढ़ना चाहिए। जगलाल पाहन, केंद्रीय धुमकुड़िया के सचिव नंदा उरांव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर माधो उरांव, सूरज टोप्पो, बबलू मुंडा, अभय भुंटकंवर सहित अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने राजस्व संग्रहण की समीक्षा बैठक की,सभी विभागों को राजस्व संग्रहण में तेजी लाने के निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने सोमवार को राजस्व से जुड़े सभी विभागों द्वारा राजस्व वसूली की समीक्षा की गयी।इस दौरान विभिन्न विभागों को चालू वित्तिय वर्ष में प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध कितनी वसूली की गयी है से संबंधित विस्तृत जानकारी ली गयी।उन्होंने सभी पदाधिकारियों को लक्ष्य को हासिल करने दिशा में कई दिशा-निर्देश दिया।उपायुक्त ने खनन विभाग की समीक्षा की,वित्तिय वर्ष 2025-26 के तहत 58433.31 लाख रुपये वार्षिक लक्ष्य प्राप्त है जिसके विरुद्ध अबतक 17000.53 लाख रुपये की वसूली की गयी है जो लक्ष्य का 29.09 प्रतिशत है।वहीं इस वर्ष का लक्ष्य निर्धारण नहीं हुआ है हालांकि 1411.91 लाख रुपए की वसूली कर ली गयी है।डीसी ने डीएमओ को खनन के क्षेत्र में राजस्व वसूली में तेजी लाने की बात कही।इसी तरह परिवहन विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने पाया कि विभाग को वित्तिय वर्ष 2025-26 में 7608.30 लाख रुपये

की वसूली का लक्ष्य दिया गया था।जिसके विरुद्ध परिहवन विभाग द्वारा अबतक 8475.88 लाख रुपये की राजस्व वसूली कर ली गयी है।वर्तमान वित्तिय वर्ष में 8559.34 लाख रुपये की वसूली का लक्ष्य दिया गया है जिसके विरुद्ध अबतक 996.59 लाख रुपये की वसूली कर ली गयी है जो 11.64 प्रतिशत है।मोटरयान निरीक्षक पलामू को वर्तमान वित्तिय वर्ष में 505.76 लाख रुपए वसूली के लक्ष्य के विरुद्ध 58.43 लाख रुपये वसूली की गयी है।उत्पाद विभाग की समीक्षा के दौरान उत्पाद अधीक्षक ने उपायुक्त को बताया कि उत्पाद विभाग को वित्तिय वर्ष 2026-27 में 20250.81 लाख रुपए वसूली का वार्षिक लक्ष्य प्राप्त है जिसके विरुद्ध अब तक 1915.67 लाख रुपये के राजस्व वसूली कर ली गयी है।उपायुक्त ने बॉर्डर इलाके में लगातर छापेमारी करने के निर्देश दिये।इसी तरह वित्तिय वर्ष 2026-27 में मेदिनीनगर नगर निगम को 1604.49 लाख रुपये की वसूली का लक्ष्य है जिसके विरुद्ध अबतक 122.42 लाख रुपया की वसूली की गयी है जो प्राप्त लक्ष्य का 7.62 प्रतिशत है।इसी तरह अवर निबंधन,राष्ट्रीय बचत विभाग,विद्युत आपूर्ति विभाग की भी समीक्षा की गयी।उन्होंने संबंधित विभाग के पदाधिकारी को शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में योजना बनाते हुए कार्य करने की बात कही।इसी कर्म में उपायुक्त ने सरकार के विभिन्न विभागों को भूमि हस्तांतरण हेतु लंबित भूमि के विवरणी का अंचलवार समीक्षा किया गया।बैठक में भू-लगान, निबंधन, दाखिल-खारिज, सकसेशन म्यूटेशन,पार्टीशन म्यूटेशन और भूमि सीमांकन की भी समीक्षा की गयी।उन्होंने सभी सीओ को निर्धारित समय में म्यूटेशन के मामलों को निष्पादन करने पर बल दिया।इसके अलावे 2026-27 में प्राकृतिक आपदाओं एवं राज्य स्तरीय अधिसूचित आपदाओं से प्रभावितों को सहायता राशि स्वीकृती से संबंधित प्रतिवेदन,ई-रेवेन्यू कोर्ट का स्टेटस,लैंड डीमारकेशन,झारखंड लगान कलेक्शन की भी समीक्षा की गयी।बैठक में उपायुक्त के अलावा अपर समाहर्ता कुंदन कुमार,हुसैनाबाद एसडीओ,तीनों भूमि सुधार उप समाहर्ता,सभी अंचल अधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

टेंडर कमीशन केस: आलमगीर आलम को सुप्रीम राहत

हाई कोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलमगीर आलम को टेंडर कमीशन घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत की जस्टिस एम.एम. सुंदरेश्वर और जस्टिस एन. कोटीश्वर सिंह की पीठ ने उनकी जमानत याचिका को मंजूर कर लिया है, जिससे करीब दो साल तक जेल में रहने के बाद अब उनके बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है। इससे पहले झारखंड हाईकोर्ट ने 11 जुलाई 2025 को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 15 मई 2024 को लंबी पूछताछ के बाद आलमगीर आलम को गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी का आरोप है कि ग्रामीण विकास विभाग में इंजीनियरों, अधिकारियों और मंत्रियों का एक संगठित नेटवर्क सक्रिय था, जो टेंडर आवंटन के बदले निश्चित कमीशन वसूलता था। ईडी ने अदालत के समक्ष जनवरी 2024 में पास किए गए 92 करोड़ रुपये के 25 टेंडरों से संबंधित दस्तावेज पेश किए थे। एजेंसी का दावा है कि इन टेंडरों के बदले आलमगीर आलम को कथित तौर पर 1.23 करोड़ रुपये का कमीशन प्राप्त हुआ था। इस मामले की जांच की आंच वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और पूर्व सचिव मनीष रंजन तक भी पहुंची थी, जिनसे ईडी ने विस्तार से पूछताछ की थी। इस पूरे घोटाले का खुलासा मई 2024 में हुआ था, जब ईडी ने आलमगीर आलम के तत्कालीन निजी सचिव संजीव लाल और उनके करीबियों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस कार्रवाई के दौरान लगभग 32.20 करोड़ रुपये की भारी-भरकम नकदी बरामद हुई थी। छापेमारी के बाद संजीव लाल और उनके घरेलू सहायक जहांगीर आलम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। संजीव लाल से पूछताछ और बरामद दस्तावेजों के आधार पर ही ईडी ने पूर्व मंत्री पर शिकंजा कसा था। हालांकि, अब सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज होने की संभावना है। यह फैसला आलमगीर आलम के समर्थकों और कांग्रेस पार्टी के लिए एक बड़ी कानूनी जीत माना जा रहा है।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

बिजली-पानी संकट को लेकर भाजपा का घड़ा फोड़ प्रदर्शन,बाबूलाल मरांडी ने कहा मूलभूत सुविधाएं देने में भी सरकार विफल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : झारखंड भाजपा प्रदेश के निर्देश पर धनबाद में भाजपा राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।चिलचिलाती धूप में भाजपाई सैकड़ों की संख्या में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में बिजली-पानी संकट को लेकर समाहरणालय के समक्ष घड़ा फोड़ प्रदर्शन घेराव किया।इस विरोध प्रदर्शन में विशेष रूप से बाबूलाल मरांडी, सांसद ढुल्लु महतो, पूर्व सांसद पीएन सिंह, धनबाद विधायक राज सिन्हा, झरिया विधायक रागिनी सिंह, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, पूर्व निरसा विधायक अपर्णा सेन गुप्ता, तारा देवी शामिल हुई।ग्रामीण व महानगर जिला भाजपा संयुक्त रूप से इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुआ।वही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पानी बिजली लोगों के लिए जरुरी है। झारखण्ड में बिजली पानी का संकट विकराल हो चूका है।प्रधानमंत्री की योजना नल से जल योजना इस झारखण्ड में भ्ष्टार्चार के भेंट चढ़ चुकी है।भाजपा का यह विरोध प्रदर्शन नींद में सोई झारखण्ड सरकार को जगाने के लिए है।मूलभूत सुविधा देने में भी सरकार विफल है।

प्रिंस खान के वायरल वीडियो पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार को उन्होंने पत्र लिखा है।सरकार इस मामले की जाँच एनआईए से कराये।झरिया विधायक ने कहा कि बिजली पानी सड़क की सुविधा राज्य सरकार नही दे पा रही है।मुफ्त बिजली की बात करने वाली सरकार में स्मार्ट मीटर लगाया गया है।बिजली उपभोक्ताओं को बहुत अधिक बिल आ रहा है।

इस सरकार में नल से जल गायब है।बल्ब से बत्ती गुल है। धनबाद विधायक ने कहा कि पानी बिजली का घोर संकट है। चिलचिलाती धूप में जहाँ महिलाओं को घरों में रहना चाहिए था उन्हें घड़ो के साथ प्रदर्शन के लिए बाध्य होना पड़ा। बिजली - पानी दे न सके जो, वह सरकार निकम्मी है, जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है। ऐसे ही कुछ और नारों के साथ भाजपाई सोमवार को सड़क पर उतरे। पैदल मार्च किया और डीसी ऑफिस का घेराव - प्रदर्शन किया। नेताओं ने आरोप लगाया कि धनबाद की बिजली व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। पानी संकट से जनता परेशान है। भीषण गर्मी में तालाब, नदी तथा अन्य जल स्त्रोतों की भी स्थिति ठीक नहीं। जिला प्रशासन कोई पहल नहीं कर रहा। बाध्य होकर सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। भाजपा नेता तथा कार्यकर्ता अपने हाथों व सिर पर घड़ा लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए थे। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मौके पर कहा कि राज्य सरकार हर मोर्चे पर विफल है। जनता पानी - बिजली के लिए तरस रही है। जिला प्रशासन भी मौन है। जनता की समस्या समाधान के लिए कोई प्रयास नहीं हो रक्षा। उन्होंने कहा कि हाल में ही एक सरकारी अस्पताल में प्रसव के लिए आई महिला तथा नवजात की मौत हो गई। कारण यह था कि अस्पताल में बिजली नहीं थी। मोबाइल की रोशनी में नर्स ने प्रसव कराया था। प्रशासन और राज्य सरकार कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। जल्द ही बिजली - पानी की व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो भाजपा आंदोलन तेज करेगी। सांसद ढुलू महतो ने कहा कि पानी बिजली लोगों के लिए जरूरी है। बिजली-पानी संकट विकराल हो गया है। प्रधानमंत्री की नल से जल योजना भ्ष्टार्चार की भेंट चढ़ गई है। भाजपा का यह विरोध प्रदर्शन नींद में सोई झारखण्ड सरकार को जगाने के लिए है विधायक राज सिन्हा ने कहा कि स्थिति विकराल हो गई है। जनता बिजली - पानी की समस्या से परेशान है और प्रशासन व सरकार मौन है। जनता की परेशानी दूर करने के लिए भाजपा ने आंदोलन किया है। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि उनके क्षेत्र में 10 -10 घंटे बिजली नहीं रहती है। बिजली नहीं रहने से लोगों को पानी नहीं मिल पाता है। बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि पानी-बिजली का घोर संकट है। चिलचिलाती धूप में जहाँ महिलाओं को घरों में रहना चाहिए था उन्हें घड़ो के साथ प्रदर्शन के लिए बाध्य होना पड़ा। प्रदर्शन में पूर्व सांसद पीएन सिंह, पूर्व निरसा विधायक अपर्णा सेन गुप्ता, तारा देवी, सरवन सिंह, संजीव अग्रवाल, रमा सिन्हा, रीता प्रसाद सहित बड़ी संख्या में भाजपाई मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

केंदुआडीह क्षेत्र में भू-धंसान व गैस उत्सर्जन पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, पुनर्वास को बताया गया एकमात्र विकल्प

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कोयला भवन मुख्यालय में आज केंदुआडीह क्षेत्र में उत्पन्न भू-धंसान एवं गैस उत्सर्जन की गंभीर स्थिति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीएमडी बीसीसीएल, मनोज कुमार अग्रवाल ने की।इस अवसर पर कोयला मंत्रालय के परियोजना सलाहकार आलोक कुमार सिंह, निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (तकनीकी/संचालन झ्र योजना एवं परियोजना) राजीव कुमार सिन्हा, निदेशक (वित्त) राजेश कुमार, महाप्रबंधक (जेएमपी) राजीव चोपड़ा, महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं बचाव) संजय कुमार सिंह सहित मुख्यालय के अन्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। बैठक में आईआईटी- आईएसएम, पीएमआरसी तथा सिम्फर के तकनीकी विशेषज्ञों ने भी सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने अनुभव एवं विश्लेषण साझा किए। विशेषज्ञों में श्री धीरज कुमार एवं डीसी पाणिग्रही प्रमुख रूप से शामिल रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य हाल के दिनों में टांड़ाबाड़ी एवं केंदुआडीह क्षेत्र, विशेषकर पुराने एनएच-32 (गोधर-पुटकी मार्ग) पर स्थित केंदुआडीह मौजा के पुराने जीएम बंगले के समीप उत्पन्न पॉटहोल एवं भू-धंसान के साथ-साथ गैस उत्सर्जन की स्थिति की समग्र समीक्षा करना तथा वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप सर्वोत्तम समाधान विकल्पों पर विचार-विमर्श करना था।इस दौरान क्षेत्र में विगत कई महीनों से लागू सुरक्षा उपायों एवं तकनीकी हस्तक्षेपों की विस्तृत समीक्षा की गई। तकनीकी विशेषज्ञों ने विभिन्न सुरक्षा उपायों, निगरानी तंत्र तथा किए गए प्रयासों पर अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। विशेषज्ञों ने अवगत कराया कि टांड़ाबाड़ी एवं केंदुआडीह क्षेत्र की स्थिति अत्यंत संवेदनशील एवं चिंताजनक है। क्षेत्र में निरंतर हो रहे जहरीली गैस उत्सर्जन एवं भू-धंसान के कारण स्थानीय निवासियों के जीवन एवं संपत्ति पर गंभीर खतरा लगातार बना हुआ है। विशेषज्ञों द्वारा यह भी बताया गया कि नाइट्रोजन फ्लशिंग सहित अन्य सभी संभावित तकनीकी उपायों को अपनाया गया, लेकिन अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो सके हैं। वर्तमान परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए विशेषज्ञों ने सर्वसम्मति से प्रभावित क्षेत्र से सभी परिवारों के शीघ्र पुनर्वास एवं सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरण को ही एकमात्र व्यवहारिक एवं सुरक्षित विकल्प बताया। इस दौरान विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि क्षेत्र की स्थिति को देखते हुए मुख्य सड़क और राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-32) को चालू करना बेहद खतरनाक हो सकता है और इससे कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है। अपने संबोधन में सीएमडी, श्री अग्रवाल ने कहा कि बीसीसीएल द्वारा क्षेत्र की लगातार निगरानी की जा रही है तथा सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। लेकिन, सभी तकनीकी प्रयासों के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया है, जिससे क्षेत्र में निवास कर रहे लोगों के जीवन पर निरंतर खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसी परिस्थितियों में किसी भी प्रकार का जोखिम स्वीकार्य नहीं है।

कोयला राज्य मंत्री के धनबाद दौरे की जिला प्रशासन ने शुरू की तैयारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे के धनबाद के दौरे की जिला प्रशासन ने शुरू कर दी है। सोमवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने समाहरणालय में बीसीसीएल तथा जेआरडीए के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे के धनबाद दौरे की रूप रेखा पर चर्चा की गई। डीसी ने बताया कि केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री बेलगड़िया का भी भ्रमण करेंगे। वे बेलगड़िया में जनकल्याणकारी विकास योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। मौके पर आलोक कुमार सिंह, परियोजना सलाहकार, कोयला मंत्रालय, संजय कुमार सिंह, तकनीकी निदेशक , बी.सी.सी.एल. राजीव रंजन, निदेशक डीआरडीबी, राजीव चोपड़ा, महाप्रबंधक , जेएमपी समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

रैलवे क्लब में दस दिनों का समर कैंप शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः रेलवे अधिकारी क्लब, धनबाद में दस दिवसीय समर कैंप शुरू हुआ। उत्साहपूर्वक किया गया। उद्घाटन पूर्व मध्य रेल मंडल महिला कल्याण संगठन, धनबाद की अध्यक्ष प्रिया मिश्र ने किया। उद्घाटन के अवसर पर बच्चों के बीच कलर सेट, बिस्कुट एवं फ्रूटी का वितरण कर उनका उत्साहवर्धन किया गया बच्चों के विकास एवं रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस समर कैंप में आत्मरक्षा प्रशिक्षण, नृत्य एवं संगीत, ड्राइंग, कला एवं शिल्प तथा मिट्टी के बर्तन निर्माण जैसी विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है. कैंप में प्रशिक्षित एवं अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है, जिससे वे नई-नई कलाओं एवं कौशलों को सीख सकें 20 मई तक आयोजित होने वाले इस समर कैंप में विभिन्न विद्यालयों के 4 से 10 वर्ष आयु वर्ग के 31 बच्चे भाग ले रहे हैं. इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल मंडल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की उपाध्यक्ष कविता, अल्पना झा एवं शशैली सहित संगठन की अन्य सदस्याएं, मंडल के कर्मचारीगण तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे.

जिला परिषद के जेई ने सोलर जलमीनार का लिया जायजा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः क्षेत्र में भीषण जल संकट को देखते हुए सोमवार को उप विकास आयुक्त के निर्देश पर जिला परिषद के जेई ने बलियापुर क्षेत्र के दोलाबड़, दुधिया, बेड़ा नियामतपुर समेत कई इलाकों में सोलर जल मीनार का जायजा लिया। अधिकांश जगहों में सोलर जलमीनार मरम्मत के अभाव में बेकार पड़ा हुआ था। जेई ने कहा कि संबंधित रिपोर्ट जिला को सौंपा जायेगा। खराब पड़े जलमीनार का मरम्मती कार्य शुरू कर दिया जायेगा। मालूम हो कि जिला परिषद सदस्य उषा महतो ने जिला परिषद की बैठक में पेयजल का मुद्दा उठाया था। इसी के आलोक में जिला उप विकास आयुक्त के निर्देश पर क्षेत्र में जायजा लिया गया। मौके पर जिला परिषद सदस्य उषा महतो,उप मुखिया प्रतिनिधि अख्तर अंसारी, दिलीप गोप आदि मौजूद थे।

केशरगढ़ बस्ती को खाली कराने की कवायद तेज, ग्रामीणों के साथ बीसीसीएल की वार्ता 32 वर्षों से है लंबित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद जिले के बीसीसीएल ब्लॉक दो क्षेत्र के एबीओसीपी परियोजना के विस्तारीकरण और भूमिगत आग व भू-धंसान की गंभीर समस्या को देखते हुए केशरगढ़ बस्ती को खाली कराने की कवायद तेज हो गई है। इसी सिलसिले में सोमवार को क्षेत्रीय कार्यालय में प्रबंधन और ग्रामीणों के बीच एक महत्वपूर्ण वार्ता संपन्न हुई।इसी सप्ताह कोयला राज्यमंत्री का दौरो होना है। इससे पहले सीएमडी के दिशा निर्देश पर प्रबंधन की ओर से इस वार्ता में मुख्य रूप से जीएम (भू-संपदा) अरविंद कुमार सिन्हा, भू संपदा एडवाइजर नंदलाल अग्रवाल, नोडल अधिकारी डीके सिंह, क्षेत्रीय जीएम कुमार रंजीव, एजीएम पीएसके सिन्हा, भू संपदा पदाधिकारी सोनम सिन्हा, सर्वे ऑफिसर एके सिंह, सीके सिंह, एल धुर्वे, एपीएम अनील कुमार, सुरेश रवानी शामिल थे। मुख्यालय प्रबंधन का पूरा जोर इस बात पर है कि परियोजना के विस्तार के लिए केशरगढ़ बस्ती को जल्द से जल्द खाली कराया जाए, क्योंकि यह क्षेत्र वर्तमान में भूमिगत आग और धंसान की जद में है, जो भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है।वार्ता के दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को प्रमुखता से रखा। उनका कहना है कि बस्ती खाली करने का मुद्दा नया नहीं है, बल्कि जमीन के बदले नियोजन (रोजगार) और पुनर्वास का मामला पिछले 32 वर्षों से लंबित पड़ा है।ग्रामीणों ने प्रबंधन के समक्ष मांग दोहराई कि पूर्व में स्वीकृत किए गए 212 पदों पर नियोजन की प्रक्रिया को तुरंत पूरा किया जाए।बस्ती खाली करने से पहले ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनके रहने की सही व्यवस्था और रोजगार का अधिकार सुनिश्चित नहीं होता, तब तक विस्थापन उनके लिए संभव नहीं है।बीसीसीएल अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए बस्ती को खाली करना अनिवार्य बताया। हालांकि, 212 नियोजन के मुद्दे पर प्रबंधन ने रिकॉर्ड्स की जांच और आरआर पॉलिसी के नियमानुसार कार्रवाई करने एंव सुझाव पर पुर्नविचार करने का आश्वासन दिया है। परियोजना के विस्तारीकरण के लिए यह बस्ती खाली होना तकनीकी रूप से आवश्यक है, लेकिन 32 सालों से अपनी जमीन के मुआवजे और नौकरी की राह देख रहे ग्रामीणों के कड़े रुख ने प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल, वार्ता किसी ठोस निर्णय पर तो नहीं पहुंची, लेकिन दोनों पक्षों के बीच संवाद जारी रखने पर सहमति बनी है।मौके पर ग्रामीणों की ओर से दिवाकर महथा, सुभाष चंद्र महथा,

दिलीप कुमार महथा, शिव शंकर महथा, बिपिन कुमार महथा, बिंदेश्वर महथा,करन कुमार महथा, मिहिर कुमार महथा आदि मौजूद थे।

बेलगड़िया में कौशल विकास और खेलो प्रतिभा को उभारने में टाटा करेगी मदद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। बेलगड़िया क्षेत्र में कौशल विकास, आजीविका के अवसर और जमीनी स्तर के खेलों को मजबूत किया जाएगा। इसके लिए लिए झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकरण (जेआरडीए) और टाटा स्टील के बीच एमओयू हुआ है। सोमवार को जेआरडीए के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन तथा टाटा स्टील फाउंडेशन (टीएसएफ) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौरव रॉय ने सोमवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद उपायुक्त ने बताया कि इस समझौते का उद्देश्य बेलगड़िया में एक गैर-वित्तीय तकनीकी साझेदारी स्थापित करना है। यह साझेदारी झरिया कोयला क्षेत्र में पुनर्वास और पुनर्स्थापन की पहलों के तहत सामुदायिक विकास प्रयासों का समर्थन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि इस सहयोग के हिस्से के रूप में, जेआरडीए मानवीय और वित्तीय संसाधनों की तैनाती के माध्यम से जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन का नेतृत्व करेगा। जबकि टाटा स्टील फाउंडेशन तकनीकी विशेषज्ञता और क्षमता निर्माण सहायता प्रदान करेगा। ये पहले झरिया मास्टर प्लान के तहत जेआरडीए के चल रहे पुनर्वास और पुनर्स्थापन प्रयासों के अनुरूप हैं। इसका उद्देश्य इस क्षेत्र में व्यापक सामुदायिक विकास करना है। उन्होंने कहा कि इसमें बेलगड़िया के स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। पलानी पंचायत के युवाओं को भी शामिल किया जाएगा। इस अवसर पर टाटा स्टील फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बेलगड़िया में पुनर्वास और सामुदायिक विकास की दिशा में जेआरडीए के निरंतर प्रयासों की सराहना की। कहा कि शुरूआत में छोटे स्तर पर ही सही, सहयोग करके टीएसएफ को खुशी हो रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह साझेदारी युवाओं के लिए अधिक अवसर पैदा करने में मदद करेगी और दीर्घकालिक सामुदायिक कल्याण के लिए स्थानीय क्षमताओं को मजबूत करेगी। यह एमओयू धनबाद के बेलगड़िया क्षेत्र में सामुदायिक विकास के प्रति एक दीर्घकालिक सहयोगात्मक दृष्टिकोण को और अधिक सुदृढ़ करेगा। उल्लेखनीय है कि विकास के क्षेत्र में अगले दशक को प्रभावित करने वाले बदलावों को पहचानने और एक 'विचार-नेता' के रूप में उभरने की अपनी महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से, टाटा स्टील फाउंडेशन की स्थापना वर्ष 2016 में की गई थी।

वार्ड 32 में पानी समस्या समाधान के लिए कार्यपालक अभियंता को ज्ञापन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद नगर निगम के वार्ड 32 की बीस हजार की आबादी पांच वर्षों से पानी की समस्या से त्रस्त है। समस्या समाधान के लिए कार्यपालक अभियंता को ज्ञापन सौंपा। समाजसेवी शशि भूषण कुमार सोमवार को दर्जनों महिलाओं और पुरुषों के साथ पेय जल एवं स्वच्छता प्रमंडल 1 पहुंच कर समस्याओं से अवगत करवाया। ज्ञापन सौंप कर समस्या से जल्द से जल्द निजाद दिलाने की मांग की। शशिभूषण ने बतलाया की लम्बे समय से बैंक आफ इंडिया के पास वॉल्व की मरम्मत नहीं हो पाई है। जिसकी वजह से एक क्षेत्र में ज्यादा प्रेशर से पानी की सप्लाई होती है। ऐसे में वहां रहने वाले लोग अक्सर आपस में ही उलझ जाते है और मारपीट की समस्या उत्पन्न हो जाती है। मौके पर रतिलाल महतो, धीरज पासवान, संजय पांडे, अमरनाथ यादव,मंटू शर्मा, दीपक पांडे, जीरा देवी, कंचना देवी, धनमुखी देवी, मुख्य रूप से उपस्थित थे।

ग्रामीण क्षेत्र में डालसा ने नुक्कड़ नाटक से फैलायी कानूनी जागरूकता

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः 90 दिवसीय आउटरीच एवं जागरूकता कार्यक्रम के तहत आज जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस बाबत जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण लोगों को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं तथा कानूनी सहायता संबंधी जानकारी प्रदान करना था। आर्टिस्ट एसोसिएशन के कलाकार

व पैरा लीगल वोलेंटियर एजाज अहमद, संतोष सिंह, आनंद चक्रवर्ती, शिवरानी सिन्हा द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को साइबर अपराध, बाल विवाह, घरेलू हिंसा, नशा मुक्ति, महिला अधिकार एवं निःशुल्क विधिक सहायता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। कलाकारों ने सामाजिक समस्याओं को सरल एवं प्रभावी तरीके से प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को जागरूक होने का संदेश दिया। इस अवसर पर डालसा के अधिकारियों, पारा लीगल वालंटियर्स एवं स्थानीय ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम के दौरान लोगों को बताया गया कि जरूरतमंद व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकार से निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। ग्रामीणों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे जनहित में उपयोगी बताया।

जेल में बंद बंदियों के लिए भी उपलब्ध हैं विशेष वकील

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से भूली बी ब्लॉक योग भवन में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत योग केंद्र के योग शिक्षक अशोक गुप्ता ने डालसा के अधिकार मित्रों का अंग वस्त्र देकर स्वागत किया। अधिकार मित्रों चन्दन कुमार, गीता सिंह, पूनम कुमारी ने विधिक सेवा की धारा 12 का उल्लेख करते हुए बताया कि कौन लोग निःशुल्क कानूनी सहायता के पात्र हैं। इसके साथ ही संवाद,वीर जवान सहायता, भोर और जागृति जैसी योजनाओं के माध्यम से बच्चों, आदिवासियों, वरिष्ठ नागरिकों और एसिड अटैक पीड़ितों के लिए उपलब्ध विशेष कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। इसके तहत जेल में बंद बंदियों या मुकदमों का सामना कर रहे पात्र व्यक्तियों को पैरवी के लिए निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराए जाते हैं। विवादों के प्री लिटिगेशन (वाद होने से पूर्व) निपटारे के लिए मध्यस्थता और लोक अदालत के महत्व को भी समझाया गया। किसी भी सहायता के लिए टोल-फ्री नंबर 15100 पर 24 घंटे संपर्क किया जा सकता है। शिविर के दौरान एक व्यक्ति द्वारा वाद प्रक्रिया के बारे में पूछे जाने पर उन्हें बताया गया कि आय प्रमाण पत्र के साथ आवेदन कर वे डालसा कार्यालय से निःशुल्क वकील प्राप्त कर सकते हैं। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन का आग्रह किया।

राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय बोकारो द्वारा तीन दिवसीय फ्लैगशिप इवेंट नोवस का उद्घाटन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, बोकारो द्वारा सोमवार को तीन दिवसीय फ्लैगशिप इवेंट ह्लनोवसह्व का भव्य उद्घाटन सरकारी पॉलिटेक्निक भागा में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देना है।कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के प्राचार्य प्रो. डॉ. उपेन्द्र प्रसाद के मार्गदर्शन में हुआ। मुख्य अतिथि एफसीआई के जनरल मैनेजर विजय कुमार चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की और छात्रों को तकनीकी नवाचार एवं उद्योग की जरूरतों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर संस्थान नवाचार परिषद के अध्यक्ष प्रो. गुंजन गांधी, जीईसी गोड्डा के निदेशक प्रो. एमजी तियारी समेत कई शिक्षक उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह को सफल बनाने में आईआईसी स्टूडेंट काउंसिल के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

12-05-2026 T.P. Page 4_Layout 1 12-05-2026 06:28 Page 1

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात शव की हुई शिनाख्त,अंबिकापुर का निकला युवक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : गढ़वा जिले के रंका थाना क्षेत्र अंतर्गत खुथवा मोड़ (एन एच किनारे) से बरामद अज्ञात युवक के शव की गुत्थी सुलझ गई है।मृतक की पहचान छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर निवासी अमन झा के रूप में हुई है।शिनाख्त के बाद मृतक के पिता ने जो खुलासे किए हैं, उसने मामले में सनसनी फैला दी है।पिता ने अपनी बहू पर ही बेटे की हत्या कराने का गंभीर आरोप लगाया है।मृतक के पिता विद्यासागर झा ने बताया कि वे मूल रूप से आरा (बिहार) के रहने वाले हैं, लेकिन वर्तमान में अंबिकापुर में किराए के मकान में रहकर दुकान चलाते हैं। शनिवार सुबह करीब 6 बजे अमन यह कहकर घर से निकला था कि वह अपने पैतृक गांव आरा जा रहा है।लेकिन रास्ते में ही उसकी हत्या कर दी गई और साक्ष्य छुपाने के नियत से शव को झारखंड की सीमा में रंका थाना क्षेत्र के पास फेंक दिया गया।विद्यासागर झा ने पुलिस को दिए आवेदन में अपनी बहू पर हत्या की साजिश रचने का संदेह जताया है। उन्होंने बताया कि 8 महीने पहले उनकी बहू घर से भाग गई थी और उसने किसी दूसरे युवक से शादी कर ली थी।इसके बाद भी बहू लगातार अमन को जान से मारने की धमकी दे रही थी।पिता का आरोप है कि इसी रंजिश के कारण उनके बेटे की हत्या करवाई गई है।बेटे का शव मिलने के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। रंका थाना पुलिस ने शव का अंत्यपरीक्षण कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया है।पुलिस ने पिता के आवेदन के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है और हत्या के कारणों व आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

पिठोरिया हनुमान मंदिर में चोरी, तांबा-पीतल की पूजन सामग्री ले उड़े चोर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : पिठोरिया थाना क्षेत्र के पिठोरिया-रांची मार्ग में केला बागान स्थित हनुमान मंदिर में बीती रात अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। रविवार की देर रात चोरों ने मंदिर से तांबा एवं पीतल की कई कीमती पूजन सामग्रियां, पीतल का 5 किलो का बड़ा घंटा, एक हाथ वाला घंटी, पूजा की दो थालियां, 4-5 दिर, 5 कटोरियां, कांसा का 5 गिलास, एक बड़ा लोटा, एक छोटा लोटा, तांबे का दो शेषनाग सहित अनेक पूजन सामग्री चोरी कर ली। इस घटना से स्थानीय श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पूर्व भी इस मंदिर में दो बार चोरी की वारदात हो चुकी है, लेकिन अब तक अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से मंदिर समिति एवं आसपास के लोगों में नाराजगी का माहौल है। सनातनी समितियों ने भगवान के मंदिर में चोरी की घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंता का विषय बताया है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द कार्रवाई कर चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है। घटना की सूचना मिलने के बाद पिठोरिया थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इस संबंध में पिठोरिया थाना प्रभारी सतीश कुमार पांडे का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य स्त्रोतों से जल्द ही मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा। आरोपी किसी भी कीमत में बख्से नहीं जाएंगे।

सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने व विधि व्यबस्था दुरुस्त करने हेतु चलाया गया अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला(ईएमएस) सरयकेला खरसावां जिला के विभिन्न थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यबस्था को सुदृढ करने हेतु एटीएम, ज्वेलर्स, पेट्रोल पंप में जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न थाना के प्रभारियों के नेतृत्व में सड़क पर वाहनों की जांच भी की गई।इस संबंध में एसपी निधि द्विवेदी ने बताया कि सुरक्षा व्यबस्था मजबूत करने व विधि व्यवस्था दुरुस्त करने,अपराध नियंत्रण हेतु अभियान चलाया गया है।जांच अभियान के तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों के एटीएम, पेट्रोल पंप एवं ज्वेलरी दुकानों की सघन जांच किया गया। साथ ही सरयकेला कांड्रा सड़क पर चार पहिया वाहनों की जांच किया गयी।जांच के दौरान पेट्रोल पंप में सुरक्षा उपकरणों, सीसीटीवी कैमरों, अलार्म सिस्टम एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी लिया गया तथा संबंधित संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।एसपी ने बताया कि अपराध मुक्त जिला को यह अभियान लगातार चलते रहेगा।सरयकेला कांड्रा सड़क पर सरयकेला थाना की पुलिस द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान वाहनों की जांच की गई,ताकि अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाया जा सके।

बिजली शिकायतों के त्वरित समाधान के लिये उपायुक्त की पहल, अब व्हाट्सएप ग्रुप से होगी मॉनिटरिंग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिले में बिजली से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने महत्वपूर्ण पहल की है।उपायुक्त ने विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया है कि विद्युत शिकायतों के निष्पादन हेतु एक डेडिकेटेड व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाये।इस ग्रुप में सभी अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम), अंचल अधिकारी (सीओ) के साथ-साथ विद्युत विभाग के कनीय एवं सहायक अभियंताओं को भी जोड़ा जायेगा।उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि सभी सीओ अपने-अपने क्षेत्र में बिजली पोल क्षतिग्रस्त होने, बिजली तार पर पेड़ गिरने, ट्रांसफार्मर जलने एवं बिजली से जुड़ी अन्य समस्याओं की सूचना तत्काल इस ग्रुप में साझा करेंगे।इसके बाद संबंधित कनीय एवं सहायक अभियंता द्वारा प्राथमिकता के आधार पर समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जायेगा तथा निष्पादन के पश्चात कार्य से संबंधित फोटो भी ग्रुप में साझा किया जायेगा।उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि बढ़ती गर्मी, बारिश एवं तेज हवा के कारण बिजली से जुड़ी समस्याएं बढ़ जाती हैं, लेकिन बिजली एक अत्यावश्यक सेवा है।ऐसे में आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिये शिकायतों का त्वरित समाधान बेहद जरूरी है।

टोटो दुर्घटनाग्रस्त,आठ घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : इचाक प्रखंड के अलौंजा और बरवां गांव के बीच बरवा नाला पर बनी पुलिया के पास सोमवार को एक टोटो दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में चालक समेत आठ लोग घायल हो गए।सभी घायलों को स्थानीय ग्रामीणों की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग भेजा गया.बताया गया कि टोटो अलौंजा से सवारी लेकर इचाक बाजार की ओर जा रहा था।इसी दौरान सामने से अचानक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो आती दिखी। वाहन से बचने के प्रयास में चालक घबरा गया और टोटो अनियंत्रित होकर पुलिया के नीचे जा गिरा।हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।घटना में चालक मिथिलेश राम समेत चमेली देवी, जीरा देवी, रीता देवी और पुनम देवी सहित आठ महिलाएं घायल हुई हैं। सभी घायल अलौंजा खुर्द गांव के निवासी बताए जाते हैं।ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए सभी को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोग हालचाल लेने में जुटे रहे।

श्रमिकों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाली कंपनियों पर होगी कार्रवाई,हर जिले में खुलेंगे झारक्राफ्ट के शोरूम: संजय प्रसाद यादव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : राज्य के श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास तथा उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा है कि राज्य सरकार श्रमिकों के हितों और उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर है। उन्होंने औद्योगिक संस्थानों को चेतावनी दी है कि कामगारों की सुरक्षा में कोताही बरतने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी।सोमवार को जमशेदपुर दौरे पर आये मंत्री ने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए विभाग की भावी योजनाओं और सुरक्षा मानकों पर सरकार का रुख स्पष्ट किया।उन्होंने कहा कि हम खुद किसान-मजदूर के बेटे हैं और उनकी तकलीफों को समझते हैं। हमारी सरकार हर नीति को ऑनलाइन और सार्वजनिक कर रही है। ताकि व्यवस्था में पूरी पारदर्शिता बनी रहे।मंत्री ने कहा कि झारखंड की पारंपरिक कला और प्राकृतिक उत्पादों, जैसे बांस, सिल्क और मिट्टी के हस्तशिल्प को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलायी जायेगी। इसके लिए जमशेदपुर और दिल्ली सहित देश के विभिन्न प्रमुख शहरों में झारक्राफ्ट के नये शोरूम खोले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराकर हजारों स्थानीय युवाओं और शिल्पकारों को स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। मंत्री ने पूर्ववर्ती रघुवर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले केवल आयोजनों पर करोड़ों खर्च हुए, लेकिन धरातल पर उद्योग नहीं लगे। हमारी सरकार पारदर्शी तरीके से उद्योग लगाकर स्थानीय युवाओं को घर के पास रोजगार देगी।पलायन की समस्या पर बात करते हुए संजय प्रसाद यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार धनबाद से साहिबगंज तक औद्योगिक कॉरिडोर विकसित करने की योजना पर काम कर रही है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के विदेश दौरे के बाद कई बड़े उद्योगपतियों ने झारखंड में निवेश की इच्छा जतायी है। झारखंड का कोई भी श्रमिक अब बिना पंजीकरण के राज्य के बाहर काम करने नहीं जायेगा।सरकार के पास उनका मोबाइल नंबर और लोकेशन का पूरा डेटा रहेगा।मंत्री ने दावा किया कि श्रमिकों के शोषण या किसी भी शिकायत पर विभाग अब महज 6 से 10 घंटे के भीतर कार्रवाई कर परिणाम दे रहा है।रामगढ़ में हुई हालिया घटना पर दुःख जताते हुए मंत्री ने कहा कि श्रमिकों के हितों और उनकी सुरक्षा की अनदेखी करने वाली कंपनियों पर सरकार अब नरमी नहीं बरतेगी। श्रम कानूनों का पालन न करने वाली औद्योगिक इकाइयों पर सरकार सीधी और सख्त कार्रवाई करेगी।श्रमिकों को तय मजदूरी के साथ-साथ कार्यस्थल पर सुरक्षा मानक उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।हवाई चप्पल पहनकर जोखिम भरे काम कराने वाली व्यवस्था अब नहीं चलेगी।राज्य की सभी फैक्ट्रियों और उद्योगों को सीसीटीवी कैमरे के दायरे में लाया जायेगा। राजधानी रांची में एक उच्च-स्तरीय मॉनिटरिंग सेल बनाया जायेगा।जो सीधे औद्योगिक गतिविधियों की निगरानी करेगा। ताकि भविष्य में किसी भी श्रमिक की जान न जाये। कौशल विकास पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा कि झारखंड के श्रमिकों को केवल अकुशल मजदूर नहीं रहने दिया जायेगा। विभाग उन्हें उन राज्यों की स्थानीय भाषा और तकनीकी इंजीनियरिंग का प्रशिक्षण दे रहा है। जहां वे काम करने जाते हैं (जैसे चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद)।इससे उनकी कार्यक्षमता बढ़ेगी और उन्हें बेहतर वेतन मिल सकेगा।माइनिंग और अन्य उद्योगों में नियमों की अनदेखी पर मंत्री ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेशानुसार वन भूमि से दूरी के मानकों का कड़ाई से पालन होगा। उन्होंने पत्रकारों से अपील की कि यदि किसी कंपनी द्वारा सेफ्टी गियर (जूते, हेलमेट) न देने या मजदूरी में गड़बड़ी की सूचना मिले, तो तुरंत विभाग को बताये। ऐसी कंपनियों के खिलाफ जांच कर तत्काल कार्रवाई की जायेगी।मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि एक श्रमिक की मृत्यु से पूरा परिवार बिखर जाता है।बुजुर्ग माता-पिता और बच्चों का भविष्य दांव पर लग जाता है।इसे रोकने के लिए सरकार इसी महीने एक महत्वपूर्ण बैठक करने जा रही है।जिसमें उद्योगों के लिए जवाबदेही तय की जायेगी।

मंडल डैम के अवशेष कार्यों को जल्द पूरा करें, प्रभावितों का पुनर्वास सरकार की प्राथमिकता: उपायुक्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : शहीद नीलांबर-पीतांबर उत्तरी कोयल परियोजना (मंडल डैम) के बचे हुए कार्यों को गति देने के लिए सोमवार को समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त अनन्य मित्तल ने स्पष्ट किया कि विस्थापितों का बेहतर पुनर्वास और उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुनर्वास स्थलों पर चल रहे निर्माण कार्यों को जल्द धरातल पर उतारें।उपायुक्त ने रंका अंचल के विश्रामपुर और रमकंडा अंचल के बलिगढ़ में चिन्हित पुनर्वास स्थलों पर समतलीकरण, सड़क, सिंचाई, पेयजल, आंगनबाड़ी केंद्र, बिजली, पूजा स्थल और धुमकुड़िया भवन जैसी सुविधाओं को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आगामी बैठक तक सभी संरचनाओं का डीपीआर तैयार कर अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।बैठक में मुआवजा वितरण की समीक्षा के दौरान पाया गया कि कुल 338 लाभार्थियों के खाते में राशि भुगतान के लिए पे-आईडी क्रिएट कर दी गई है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अगली बैठक से पहले इन सभी परिवारों को शत-प्रतिशत मुआवजा राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही वन अधिकार समिति की स्वीकृति और लैंड डायवर्शन के कार्यों को भी समय पर पूरा करने को कहा गया।परियोजना की प्रगति की जानकारी देते हुए संबंधित अधिकारियों ने बताया कि डैम के 12 में से 10 गेट तैयार हो चुके हैं और उनका निरीक्षण कर उन्हें बांध स्थल पर पहुंचा दिया गया है।शेष 2 गेटों की उपलब्धता और पिकेट निर्माण का कार्य प्रक्रियाधीन है, जिसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, पलामू टाइगर रिजर्व के उप निदेशक प्रजेश कांत जेना, वन प्रमंडल पदाधिकारी (उत्तरी) अंशुमान, वन प्रमंडल पदाधिकारी (दक्षिणी) ई.बी. अब्राहम, अपर समाहर्ता राज महेश्वरम, अभियान एसपी आर.डी. बड़ाइक, गढ़वा एसडीओ संजय कुमार, रंका एसडीओ रुद्र प्रताप, जिला कल्याण पदाधिकारी धीरज प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता, बीडीओ और सीओ मौजूद थे।

500 बेरोजगारों की बहाली की मांग पर गुवा सेल खदान में अनिश्चितकालीन चक्का जाम, उत्पादन ठप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : गांव के मुंडा मानकी संघ ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के नेतृत्व में 500 स्थानीय बेरोजगारों की बहाली की मांग को लेकर गुवा सेल खदान में अनिश्चितकालीन चक्का जाम शुरू कर दिया है। आंदोलन के कारण खदान क्षेत्र में खनन कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया है। आंदोलनकारियों ने गुवा सेल के साइज स्क्रीन एवं पहाड़ के ऊपर स्थित क्रॉसिंग प्लांट को बंद करा दिया है, जिससे उत्पादन पूरी तरह बाधित हो गया है। इसके साथ ही सेल रेलवे बंकर स्थित डिस्पैच कार्य को भी ठप कर दिया गया है। आंदोलन का असर इतना व्यापक रहा कि सुबह 4 बजे प्रथम पाली में खदान क्षेत्र जाने वाली बसों को भी रोक दिया गया, जिससे सेल कर्मी कार्यस्थल तक नहीं पहुंच सके। बंदी और चक्का जाम को देखते हुए गुवा प्रशासन तथा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवान आंदोलन स्थल पर तैनात हैं। प्रशासन द्वारा लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। आंदोलन में सारंडा पीढ़ मानकी सुरेश चाम्पिया, मुंडा सोंगा सुरीन सहित विभिन्न गांवों के मुंडा-मानकी और ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार नहीं दिया जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

बारलोंग चौक के समीप सड़क हादसे में युवक की मौत, चार घंटे तक जाम रहा एनएच-23

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : रामगढ़-बोकारो मार्ग स्थित बारलोंग चौक के समीप सोमवार अहले सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गयी।मृतक की पहचान निखिल कुमार महतो (22 वर्ष), पिता हीरालाल महतो के रूप में हुई है।घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर एनएच-23 को जाम कर दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार निखिल कुमार महतो सोमवार सुबह लगभग 4:30 बजे अपने घर के पास टहल रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया और मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद ग्रामीणों ने गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना से आक्रोशित परिजन और ग्रामीण शव को वापस घटनास्थल पर ले आये तथा सड़क के बीचोबीच रखकर जाम कर दिया।सूचना मिलने पर रजरप्पा पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण विभिन्न मांगों को लेकर सड़क पर डटे रहे। बाद में रामगढ़ अंचल के अधिकारियों, रजरप्पा पुलिस तथा झामुमो नेता चित्रगुप्त महतो, विनय मुन्ना, मुखिया रेखा देवी सहित कई गणमान्य लोगों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ. अधिकारियों द्वारा सरकारी प्रावधान के तहत मुआवजा और अन्य लाभ देने के लिखित आश्वासन के बाद करीब चार घंटे बाद दस बजे सड़क जाम हटाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

सामूहिक बलात्कार में घाटशिला जेल में बंद तीन दोषी को 20-20 साल की सश्रम कारावास की सजा सुने और तीनों पर पच्चीस पच्चीस हजार रुपए जुमार्ना भी लगाया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : एडीजे 1 कनकन पट्टेदार कोर्ट ने सोमवार को चाकुलिया थाना में दर्ज सामूहिक बलात्कार, अपहरण व अन्य धारा लगे केस में जेल में बंद तीन दोषियों (महेश्वर महतो सृजन टुडू और एक नाबालिग) 20-20 साल की सश्रम कारावास की सजा सुनायी और तीनों पर 25,000- 25,000 रुपया जुमार्ना भी लगाया।इससे पूर्व गत मंगलवार को हुई सुनवाई में तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया था और कोर्ट में आज सजा के बिंदू पर सुनवाई थी।केस में अनुसंधान पदाधिकारी समेत कुल छह लोगों की गवाही हुई थी। मालूम हो कि 3 साल पहले 8 में 2023 की रात रात करीब 11 बजे से 11:30 बजे के बीच महेश्वर महतो सृजन टुडू व एक अन्य नाबालिग मोटरसाइकिल पर पीड़िता को उठाकर नदी किनारे ले जाकर सामूहिक बलात्कार की घटना को अंजाम दिया था।यह घटना उस वक्त हुई जब पीडिता अपने प्रेमी सुजीत हांसदा के साथ चाकुलिया कुचियाशोली गांव में लगे मेल को देखकर लौट रही थी।घटना के दूसरे दिन 9 मई पीड़िता ने आरोपियों के विरुद्ध चाकुलिया थाना में केस दर्ज की थी पीड़िता ने आरोपियों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता बलात्कार की धारा376(डी) के अलावा अपहरण की धारा 363, मारपीट 323, 504 506, एसटीएससी उत्पीड़न की धारा लगायी थी।घटना में पुलिस ने सभी आरोपियों को पकडकर कोर्ट में पेश किया कोर्ट ने दो आरोपियों को जेल भेजे जबकि एक नाबालिग को रिमांड होम भेजा।इधर, जमशेदपुर कोर्ट की सुनवाई के दौरान आरोपी घाटशिला जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े हुए थे।जबकि नाबालिग रिमांड होम से वीडियो कॉन्फ्रेसिंग सिस्टम से जुड़ा हुआ था।तीनों दोषियों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता बलात्कार की धारा376(डी) में तीनों दोषियों को 20-20 साल सश्रम कारावास और 20-20 हजार रुपया जुमार्ना लगाया जुमार्ना की राशि नहीं चुकाने पर 1 साल अतिरिक्त सजा काटनी होगी।इसी तरह अपहरण की धारा 363 में तीनों को 5-5 साल की सश्रम की सजा और 5000रुपये-5,000 रुपये लगाया। जुमार्ना की राशि नहीं चुकाने पर 3 माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। इसके अलावा भारतीय दंड संहिता की धारा 504 और 506 में तीनों को 1-1 साल की कारावास की सजा सुनायी। सभी सजाएं एक साथ चलेगी।

फर्जी कॉल और ओटीपी शेयर करने से बचे, पैसा मांगने वाले साइबर अपराधियो की करे पहचान:पुलिस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला थाना अंतर्गत उच्च विद्यालय तितिरबिला में जिला पुलिस द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से थाना प्रभारी विनय कुमार उपस्थित थे।कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के बीच महिला अपराध से संबंधित कानूनी प्रावधानों, पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह निषेध,महिला सुरक्षा,नशा मुक्ति, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर-1098, डायल-112, साइबर फ्रॉड टोल फ्री नंबर-1930, सड़क सुरक्षा एवं बच्चा चोरी संबंधी अफवाहों से बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।उन्होंने छात्र-छात्राओं को सतर्क एवं जागरूक रहने, सोशल मीडिया एवं साइबर अपराधों से बचाव करने तथा किसी भी प्रकार की आपात स्थिति अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया।थाना प्रभारी ने कहा कि आजकल सायबर फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट जैसे मामले आ रहे हैं जिससे हम जागरूकता के माध्यम से ही अंकुश लगा सकते हैं।थाना प्रभारी ने कहा कि आप छात्र छात्राएं खुद जागरूक होते हुए अपने परिवार और आस पड़ोस को भी जागरूक करें कि मोबाइल में किसी भी अनजान नम्बर पर फोन आये और ओटीपी नम्बर मांगे तो नही देना है। उन्होंने कहा कि अक्सर ऐसी भी घटनाएं होती है कि आपके परिवार के कोई सदस्य बाहर दूसरे शहर में रहते हैं और आपको अनजान नम्बर पर फोन आता है व पैसे का डिमांड करता है तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दें क्योंकि यह सायबर अपराधियो के ठगी का नया तरीका है। उन्हें पैसा कतई नही दें अन्यथा आप डिजटल अरेस्ट के शिकार हो जाएंगे।उन्होंने महिला सुरक्षा, नशा पान को लेकर भी जागरूक किया। उन्होंने कहा कि नशे को ना कहें, क्योंकि नशा से परिवार,समाज और देश बर्बाद होता है। मौके पर मुख्य रूप से स्कूल के शिक्षक सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी भी उपस्तित थे।

अवैध विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार, भारी मात्रा में शराब व उपकरण बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : गोला थाना क्षेत्र के ऊपर खखरा टोला, पत्थलगढ़ा में अवैध विदेशी शराब निर्माण फैक्ट्री का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि भारी मात्रा में शराब, स्प्रिट, लेबल, बोतल और निर्माण सामग्री बरामद की गई है।दस मई को पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि बंद घर में अवैध विदेशी शराब बनाकर आसपास के क्षेत्रों में तस्करी की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस उपाधीक्षक चंदन वत्स के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया।टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की।छापेमारी के दौरान मनोज मुर्मू और भदरू सिंह को गिरफ्तार किया गया।दोनों की निशानदेही पर तीन अलग-अलग घरों में छापेमारी की गई, जहां से अवैध शराब निर्माण और भंडारण से जुड़ी सामग्री बरामद की गई।जांच में सामने आया कि आरोपी नकली तरीके से होलोग्राम और लेबल लगाकर शराब तैयार कर रहे थे और उसे बाजार में सप्लाई कर रहे थे। इस संबंध में गोला थाना कांड संख्या 51/2026 दर्ज कर लिया गया है।पुलिस ने करीब 250 पेटी विदेशी शराब, 1800 लीटर तैयार शराब, 1600 लीटर स्प्रिट, हजारों बोतल, लेबल, कैप और अन्य सामग्री जब्त की है। इसके अलावा एक पिकअप वाहन और दो मोटरसाइकिल भी बरामद किए गए हैं।

12 मई से 30 जून तक मिशन मोड में बनेगी किसानों की फार्मर आईडी : डीएम

जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया डीएम आनंद शर्मा

मधुबनी, (एजेंसी) : एग्री स्टैक परियोजना के अंतर्गत मधुबनी जिले में फॉर्मर रजिस्ट्री अभियान को पुनः मिशन मोड में संचालित किये जाने को लेकर जिलाधिकारी आनंद शर्मा के द्वारा किसानों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से सोमवार को सभी 21 प्रखंडों के लिए समाहरणालय परिसर में एग्री स्टैक जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह जागरूकता रथ जिले के सभी अनुमंडलों में जाकर लोगो को फार्मर रजिस्ट्रेशन के लिए जागरूक करेगा। सभी अनुमंडल क्षेत्र के लिए एक-एक जागरूकता रथ को रवाना किया गया। विदित हो कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की एग्री स्टैक परियोजना के तहत मधुबनी जिले में फॉर्मर रजिस्ट्री अभियान को पुनः मिशन मोड में संचालित किया जाएगा। 12 मई 2026 से 30 जून तक अधिक से अधिक किसानों का फार्मर आईडी बनाया जाएगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी मिशन मोड में 12 मई से 30 जून तक शत-प्रतिशत किसानों का फार्मर रजिस्ट्रेशन करवाना सुनिश्चित करें। सभी कर्मी एवं पदाधिकारी परिणामोन्मुखी कार्यशैली अपनाते हुए अपने-अपने क्षेत्र में अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित

करें, ताकि जिले का कोई भी पात्र किसान योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर से लेकर जिला स्तर तक इस अभियान की लगातार निगरानी की जा रही है तथा किसी भी तकनीकी अथवा प्रक्रियागत समस्या के समाधान के लिए त्वरित व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। अब तक लगभग 1,74,853 किसानों का फार्मर आईडी बन चुका है। कृषि एवं राजस्व विभाग के संयुक्त प्रयास से अभियान को काफी गति मिलेगी। एग्री स्टैक परियोजना के अंतर्गत किसानों का फार्मर आईडी तैयार किया जा रहा है। जिसके आधार पर कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाया जाएगा। अब तक कृषि विभाग एवं राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के संयुक्त प्रयास से जिले के 1,74,853 किसानों का फार्मर आईडी तैयार किया जा चुका है। फार्मर आईडी निर्माण की प्रक्रिया में सर्वप्रथम कृषि विभाग के कृषि सलाहकार, कृषि समन्वयक, सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं प्रखंड तकनीकी प्रबंधक के माध्यम से किसानों का ई-केवाईसी किया जाता है। इसके पश्चात राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकृत कर्मियों द्वारा किसानों के नाम से जमाबंदी प्रविष्टि की जाती है। जिसके बाद किसानों को फार्मर आईडी उपलब्ध हो जाती है। किसान स्वयं भी करा सकते हैं। फार्मर रजिस्ट्री, सीएससी एवं ऑनलाइन माध्यम से भी उपलब्ध है। जिला पदाधिकारी ने बताया कि सरकार द्वारा सॉफ्टवेयर में बदलाव करते हुए किसानों को स्वयं फार्मर रजिस्ट्री करने की सुविधा भी प्रदान की गई है। किसान कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से भी अपना फार्मर रजिस्ट्री करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से लाभान्वित हैं तथा जिनके नाम से जमाबंदी उपलब्ध है, वे शिविर में पहुंचकर आसानी से अपना फार्मर आईडी प्राप्त कर सकते हैं। वहीं जिन किसानों के नाम से जमाबंदी उपलब्ध नहीं है। वे आवश्यक परिमार्जन कराकर फार्मर रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूर्ण करा सकते हैं। जिला प्रशासन ने सभी किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि में अपना फार्मर रजिस्ट्री कराकर कृषि विभाग की सभी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, सुमन प्रसाद साहु अपर समाहर्ता, मुकेश रंजन, जिला कृषि पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

हर हाल में लाभुकों के बीच समय पर खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित हो: एसडीओ

एफपीएस डीलर एसोसिएशन की बैठक में सदर एसडीओ अनिल कुमार रमन ने कहा

गया जी (एजेंसी) : फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन की जिला इकाई द्वारा सदर अनुमंडल कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी प्रखंडों के अध्यक्षों और वरीय जन वितरण विक्रेताओं ने भाग लिया और आपूर्ति व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। सदर एसडीओ अनिल कुमार रमन ने सभी पीडीएस डीलरों को निर्देश दिया कि अपने-अपने प्रखंडों में शत-प्रतिशत लाभुकों के बीच खाद्यान्न का समय पर वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन विक्रेताओं को मई और जून 2026 का खाद्यान्न उठाव मिल चुका है वे मई 2026 के वितरण चक्र समाप्त होने के बाद ही जून 2026 का वितरण करेंगे तथा जून माह का खाद्यान्न सुरक्षित रखेंगे। बैठक में अनुज्ञप्ति नवीनीकरण और आपूर्ति व्यवस्था से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

मार्जिन मनी भुगतान को लेकर जिला स्तर पर हुई पहल

बैठक समाप्त होने के बाद प्रतिनिधिमंडल ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी अशोक कुमार चौधरी से उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात की। इस दौरान विक्रेताओं ने पिछले आठ महीनों से लंबित मार्जिन मनी (कमीशन) के शीघ्र भुगतान की मांग रखी।

इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रबंधक कार्यालय में जाकर स्थिति की जानकारी ली। बताया गया कि नवंबर 2026 तक का मार्जिन मनी पटना विभाग को भेज दिया गया है। जिन विक्रेताओं का जनवरी 2025 और सितंबर माह का भुगतान रिजेक्ट या लंबित है, उनकी सूची पुनः तैयार कर विभाग को भेजी गई है ताकि जल्द समाधान हो सके।

बैठक में जिलाध्यक्ष महेंद्र कुमार सिंह,जिला महामंत्री डॉ. विजय कुमार यादव, मनीष कुमार सहित बोधगया, फतेहपुर, मानपुर, वजीरगंज, बेलागंज, टनकुप्पा और नगर प्रखंड के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष सहित कई वरीय विक्रेता मौजूद रहे। सभी ने आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और लाभुकों तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

पद की गरिमा बढ़ाऊंगा, जन-जन के प्रति सेवारत रहूंगा : डॉ. संतोष

पांचवीं बार मंत्री बनने पर डॉ. संतोष कुमार सुमन का किया गया अभिनंदन

गया जी (एजेंसी) : डॉ संतोष कुमार सुमन के पांचवीं बार मंत्री बनने पर गया जिले में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। समारोह में बड़ी संख्या में सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने संबोधन में मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन ने कहा कि जनता का विश्वास और समर्थन उनके लिए सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि मंत्री पद की गरिमा को बनाए रखते हुए वे लगातार जनसेवा के कार्यों में सक्रिय रहेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी।डॉ संतोष कुमार सुमन ने कहा कि गया जिले सहित मगध प्रमंडल और पूरे बिहार में सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में विशेष रूप से कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर पानी उपलब्ध कराना और कृषि व्यवस्था को सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए विभागीय स्तर पर सजगता और समन्वय के साथ योजनाओं को सफल बनाने पर जोर दिया जाएगा।

समारोह में उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने डॉ संतोष कुमार सुमन को पांचवीं बार मंत्री बनने पर बधाई दी और उनके नेतृत्व में विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई। इस दौरान टूटू खान ने कहा कि डॉ. संतोष कुमार सुमन हमेशा गरीबों, किसानों और युवाओं की आवाज उठाते रहे हैं। उनके मंत्री बनने से मगध क्षेत्र के विकास को मजबूती मिलेगी। वहीं नारायण प्रसाद मांझी ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है और सभी लोग जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि सिंचाई, सड़क, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने डॉ. संतोष कुमार सुमन को फूल-माला और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। समारोह में कई सामाजिक कार्यकर्ता और पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का माहौल उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहा तथा लोगों ने मंत्री से क्षेत्र के विकास को लेकर कई उम्मीदें जताईं।

कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस में गया के यात्री की गोली मारकर हत्या, रेल महकमे में मचा हड़कंप

लखनऊ जा रहे दिनेश साहू की ट्रेन में हत्या, डीडीयू स्टेशन के पास हुई वारदात

गया जी (एजेंसी) : गया जिले के रहने वाले दिनेश साहू की उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस (13151) में गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना डीडीयू जंक्शन के पास रविवार देर रात हुई, जिससे रेल महकमे में हड़कंप मच गया। मृतक गया जिले के बाराचट्टी थाना क्षेत्र के तेतरिया खुर्द गांव के निवासी थे। रेल सूत्रों के अनुसार दिनेश साहू अपनी बहन और अन्य रिश्तेदारों के साथ लखनऊ में आयोजित एक धार्मिक सत्संग में शामिल होने जा रहे थे। वे रविवार रात गया जंक्शन से ट्रेन में सवार हुए थे। देर रात करीब 1:30 बजे डीडीयू स्टेशन से ट्रेन खुलने के बाद सिकटिया के पास एस-2 कोच में अज्ञात हमलावर ने

उनके सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए और कुछ ही देर में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद हमलावर ट्रेन से कूदकर फरार हो गया। शव को बाद में वाराणसी जंक्शन पर उतारा गया।घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन वाराणसी के लिए रवाना हो गए। बताया गया कि दिनेश साहू धार्मिक यात्रा के लिए परिवार के साथ जा रहे थे और अचानक हुई इस घटना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। वाराणसी रेल थाना में परिजन पहुंचे और शव की पहचान की प्रक्रिया पूरी की गई।

रेलवे और पुलिस ने शुरू की जांच, साइको किलर एंगल से भी पड़ताल घटना की सूचना मिलते ही रेल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मौके पर चंदौली के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आकाश पटेल, प्रयागराज रेल एसपी प्रशांत कुमार वर्मा, आरपीएफ कमांडेंट दिनेश सिंह तोमर, सहायक सुरक्षा आयुक्त रिजवान अहमद सिद्दीकी और डीडीयू आरपीएफ पोस्ट इंस्पेक्टर पीके रावत सहित कई अधिकारी जांच में जुट गए। जीआरपी और आरपीएफ की टीमें ट्रेन यात्रियों से पूछताछ कर रही हैं तथा सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।इसी बीच जांच टीम को एक और गंभीर मामला सामने आया जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। ट्रेन में हत्या की घटना के कुछ घंटे बाद ही चंदौली के अलीनगर थाना क्षेत्र के कमलापुर स्थित अस्पताल में भर्ती 55 वर्षीय महिला लक्ष्मी देवी की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई। बताया गया कि आरोपी युवक इलाज के बहाने अस्पताल में घुसा और वार्ड में पहुंचकर महिला की कनपटी पर पिस्टल सटाकर गोली मार दी। महिला की मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस ने बताया कि इससे पहले भी गाजीपुर-ताड़ीघाट पैसेंजर ट्रेन में एक यात्री की गोली मारकर हत्या की घटना सामने आ चुकी है, जिससे पूरे मामले की कड़ी जुड़ती नजर आ रही है। लगातार हो रही इन वारदातों को देखते हुए पुलिस अब इसे किसी सामान्य अपराध के बजाय संगठित या मानसिक रूप से अस्थिर अपराधी यानी ह्लसाइको किलरह्व एंगल से भी जांच रही है।

रिटायर्ड आर्मी जवान गिरफ्तार, लाइसेंसी हथियार बरामद

पुलिस सूत्रों के अनुसार मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है, जिसकी पहचान पंजाब के अमृतसर निवासी रिटायर्ड आर्मी जवान गुरप्रीत सिंह के रूप में हुई है। उसके पास से लाइसेंसी रिवॉल्वर भी बरामद की गई है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि क्या वह इन घटनाओं में सीधे तौर पर शामिल था या किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा है।

पुलिस और आरपीएफ की संयुक्त टीमें अब आरोपी के मोबाइल डेटा, यात्रा इतिहास और अन्य सुरागों की गहन जांच कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

भारतीय चिकित्सा संघ का गया में निःशुल्क टीकाकरण केन्द्र का शुभारंभ

गया जी (एजेंसी) : गया शहर के लोगों के लिए स्वास्थ्य सुविधा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए भारतीय चिकित्सा संघ गया शाखा परिसर में बच्चों के लिए निःशुल्क टीकाकरण केन्द्र का उद्घाटन सोमवार को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ चिकित्सक डा.विजय जैन एवं डा.शिवबचन सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और बच्चों को पोलियों की खुराक पिलाकर किया। उद्घाटन समारोह सुबह 10:30 बजे आयोजित हुआ जिसमें बड़ी संख्या में चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी और अभिभावक उपस्थित रहे।इस अवसर पर बताया गया कि यह निःशुल्क टीकाकरण केन्द्र प्रत्येक सोमवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक संचालित किया जाएगा। इस सुविधा से गया शहर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को

काफी राहत मिलेगी। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को नियमित टीकाकरण की सुविधा आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि समय पर टीकाकरण बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अध्यक्ष डा विश्व विजय सिंह के प्रयास से शुरू हुई सुविधा

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डा विश्व विजय सिंह ने कहा कि गया में लंबे समय से निःशुल्क टीकाकरण केन्द्र की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में इस सेवा को शुरू करने पर विशेष जोर दिया था। इसके लिए सिविल सर्जन कार्यालय से लगातार समन्वय स्थापित कर प्रयास किए गए, जिसके परिणामस्वरूप यह सेवा शुरू हो सकी।

उन्होंने सिविल सर्जन गया और राजीव कुमार अम्बष्ट को इस कार्य में सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद दिया। उद्घाटन समारोह में डा. एलएम सिंह, डा. विमलेन्द्र विमल, डा. रामसेवक प्रसाद सिंह, डा. डी के सहाय, डा. अशोक कुमार सिंह, डा. एस एस जमा और डा विनय कुमार स सहित कई चिकित्सक मौजूद रहे। इसके अलावा सिविल सर्जन कार्यालय के पैरामेडिकल स्टाफ ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। चिकित्सकों ने उम्मीद जताई कि यह केन्द्र बच्चों के स्वास्थ्य संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सहयोग पोर्टल एवं हेल्पलाइन 1100 का शुभारंभ, अब 30 दिनों में होगा शिकायतों का निष्पादन

सुपौल, (एजेंसी) : बिहार सरकार द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए रविवार को मुख्यमंत्री बिहार के कर-कमलों द्वारा ह्लसहयोग पोर्टलह्व एवं निशुल्क हेल्पलाइन नंबर 1100 का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सुपौल समाहरणालय स्थित लहटन चौधरी सभागार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के कई वरीय अधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी सावन कुमार, पुलिस अधीक्षक शरथ आर०एस०, उप विकास आयुक्त सारा अशरफ, अपर समाहर्ता सच्चिदानंद सुमन, लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी-सह-अपर समाहर्ता विकाश कुमार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी गयानंद यादव, भू-अर्जन पदाधिकारी सतीश रंजन तथा विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय शाखा विकास कुमार कर्ण सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में ह्लसबका सम्मान, जीवन आसानह्व निश्चय के तहत आम नागरिकों की शिकायतों एवं समस्याओं के प्रभावी समाधान को लेकर कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री द्वारा निर्देशित किया गया कि प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को ह्लसहयोग शिविरह्व आयोजित किया जाएगा, जहां लोग अपनी समस्याओं एवं परिवादों का निवारण करा सकेंगे।आमजन सहयोग शिविर एवं अन्य जानकारी के लिए निशुल्क हेल्पलाइन नंबर 1100 पर संपर्क कर सकते हैं।वहीं ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने के लिए सहयोग पोर्टल का उपयोग किया जा सकेगा।बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि सभी दर्ज परिवादों का निष्पादन शिकायत दर्ज होने की तिथि से 30 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाए तथा आवेदक को निष्पादन संबंधी लिखित सूचना भी उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी सावन कुमार ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सहयोग पोर्टल एवं शिविर के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को सुगम और प्रभावी सेवा मिल सके।

बिहार राज्य सीनियर तैराकी प्रतियोगिता में डीपीएस गया का रहा शानदार प्रदर्शन

बांकीपुर क्लब में पदक जीतकर छात्रों ने गया जिले का मनवाया लोहा

गया जी (एजेंसी) : दिल्ली पब्लिक स्कूल गया के तैराकों ने बिहार राज्य सीनियर तैराकी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर गया जिले का नाम रोशन किया है। 10 मई को पटना के बांकीपुर क्लब में आयोजित इस प्रतियोगिता में डीपीएस गया के खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन से स्कूल परिसर के साथ-साथ पूरे गया जिले में उत्साह का माहौल है।

प्रतियोगिता में ओवैस खान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 200

मीटर व्यक्तिगत मेडले और 100 मीटर फ्रीस्टाइल में कांस्य पदक हासिल किया। इसके साथ ही उन्होंने 4100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में रजत पदक और 4100 मीटर मेडले रिले में कांस्य पदक जीतकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। ओवैस गया शहर के ओल्ड करीमगंज क्षेत्र के निवासी हैं। उनके प्रदर्शन को कोचिंग स्टाफ ने अत्यंत सराहनीय बताया है।

प्रतीक कुमार बने सर्वश्रेष्ठ

खिलाड़ी, जिले का बढ़ाया गौरव

बोधगया निवासी वियान कुमार ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में कांस्य पदक जीतकर व्यक्तिगत स्पर्धा में अपनी प्रतिभा साबित की। साथ ही उन्होंने टीम इवेंट में 4100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में रजत पदक और 4100 मीटर मेडले रिले में कांस्य पदक जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं गया शहर के आरव और दुभल निवासी कुशाग्र कुमार ने भी रिले स्पधाओं में बेहतरीन तालमेल

दिखाते हुए रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए।

चारों खिलाड़ियों के संयुक्त प्रदर्शन और मजबूत टीमवर्क ने दिल्ली पब्लिक स्कूल गया को प्रतियोगिता में विशेष पहचान दिलाई। प्रतियोगिता के दौरान दर्शकों और खेल विशेषज्ञों ने खिलाड़ियों की तकनीक, गति और अनुशासन की जमकर सराहना की।इसी प्रतियोगिता में गया जिले के सूर्यकुंड देवघाट निवासी प्रतीक कुमार को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

चुना गया। उनकी इस उपलब्धि से खेल प्रेमियों और स्थानीय लोगों में खुशी की लहर है। उन्हें लगातार बेहतरीन प्रदर्शन, अनुशासन और कड़ी मेहनत के लिए यह सम्मान दिया गया।

गया जिला तैराकी संघ के सचिव प्रह्लाद गुर्दा ने बताया कि खिलाड़ियों की सफलता कड़ी मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास का परिणाम है। कोचिंग स्टाफ के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए

विशेष तैयारी की थी।स्कूल प्रबंधन, अभिभावकों और प्रशिक्षकों ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताई है। डीपीएस गया के इन खिलाड़ियों की सफलता ने न केवल स्कूल बल्कि पूरे गया जिले का नाम राज्य स्तर पर ऊंचा किया है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन्हें आगे भी इसी तरह प्रशिक्षण और अवसर मिलता रहा, तो ये खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जिले का नाम रोशन कर सकते हैं।

संपादकीय

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार दयनीय स्थिति में

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले ढाई महीनों में तेजी से घटकर लगभग 550 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। यह स्थिति केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के लिए चिंता का विषय है। विदेशी मुद्रा भंडार देश की आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार है। इसी के सहारे आयात, अंतर्राष्ट्रीय भुगतान और मुद्रा विनिमय दर को स्थिर रखने में होता है। इसका असर आयात और निर्यात दोनों पर पड़ता है। अमेरिका और ईरान के बीच जब युद्ध चल रहा है, ऐसी स्थिति में वैश्विक बाजार में अस्थिरता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और डॉलर की मजबूती के कारण भारत पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट भारत की अर्थ व्यवस्था के लिए गंभीर संकट का संकेत है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का 85 फीसद हिस्से का आयात करता है। खाद भी बड़े पैमाने पर भारत को आयात करनी होती है। पेट्रोलियम, खाद और गैस के आयात में भारी मात्रा में डॉलर की जरूरत होती है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार कमी सरकार और रिजर्व बैंक को वैकल्पिक उपायों पर विचार करने पर मजबूर कर रहे हैं। इसी क्रम में डॉलर बॉन्ड जारी करने की योजना सामने आई है। विदेशों में बसे भारतीयों (एनआरआई) को बांड बेचकर सरकार डॉलर का भंडार बढ़ाना चाहती है। यह योजना सरकार और रिजर्व बैंक के लिए अल्पकालिक राहत देने वाली होगी। एनआरआई निवेशकों से डॉलर प्राप्त कर सरकार विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत करने का प्रयास करेगी। इससे तत्काल डॉलर की उपलब्धता बढ़ सकती है। रुपये पर पड़ रहा दबाव कुछ कम हो सकता है। भारत वित्तीय स्थिति को तत्काल नियंत्रित करने में सफल हो सकता है। लेकिन आगे चलकर अर्थव्यवस्था में दोहरा दबाव भी पड़ सकता है। इस योजना के साथ कई जोखिम भी हैं। सबसे बड़ा खतरा विनिमय दर का है। पिछले कुछ वर्षों में डॉलर, लगातार रुपये के मुकाबले मजबूत हुआ है। भविष्य में रुपये की कमजोरी जारी रहती है, तो सरकार को बॉन्ड का भुगतान मांग के अनुसार करने पर ज्यादा डॉलर भुगतान करना पड़ेगें। इसमें सरकार को केवल ब्याज ही नहीं, बल्कि विनिमय दर मे भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। यह स्थिति भविष्य में वित्तीय दबाव को और बढ़ा सकती है। विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए केवल उधारी आधारित समाधान लंबे समय तक प्रभावी नहीं हो सकते हैं।

चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार खतरनाक होते हैं।
: सत्यसाई बाबा

मनुष्य की महानता उसके कपडों से नहीं बल्कि उसके चरित्र से आँकी जाती है।
: स्वामी विवेकानन्द

ऊर्जा संकट में सरकार बनी ढाल

होर्मुज मार्ग बंद होने से दुनिया झुलस रही है ऊर्जा संकट की आग से

मोदी सरकार ने सूझबूझ से जनता पर नहीं आने दी इस संकट की आंच, खुद उठाया बोझ।ऽ भारत में सामान्य रूप से होते रहे सभी कार्य

जनता को भी देना होगा धैर्य के साथ देश का साथ

वैश्विक युद्ध और होर्मुज संकट का असर आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। युद्ध की लपटें केवल सीमाओं तक सीमित नहीं हैं, उनका असर हर घर की रसोई, हर वाहन के पहिए और हर परिवार के बजट तक पहुंच चुका है। कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें इतिहास के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगीं, महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी और सरकारें अपने नागरिकों के गुस्से का सामना करने को मजबूर हो गईं।

लेकिन इसी उथल-पुथल के बीच आज युद्ध के लगभग 11 सप्ताह बीतने पर भी भारत में जीवन की सामान्य गति बनी रही, करोड़ों परिवारों के चूल्हे जलते रहे, गाड़ियां चलती रहीं। यह अपने आप नहीं हुआ। इसके पीछे एक ऐसी नीति, ऐसी तैयारी और ऐसी संवेदनशील सोच थी जिसने वैश्विक तूफान के सामने भारत के नागरिकों को ढाल बनकर संरक्षण दिया। जब दुनिया ऊर्जा संकट की आग में झुलस रही थी, तब मोदी सरकार एक संरक्षक की तरह अपने नागरिकों के साथ खड़ी रही। जैसे द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को बचाया था, वैसे ही इस कठिन समय में सरकार ने बढ़ती वैश्विक कीमतों और आर्थिक दबाव का बड़ा हिस्सा स्वयं अपने ऊपर उठाया, ताकि उसका बोझ सीधे जनता की थाली, रसोई और जेब तक न पहुंचे।

यही कारण है कि आज यह संकट केवल आर्थिक प्रबंधन की कहानी नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन, दूरदर्शी नेतृत्व और नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व की मिसाल बन चुका है। दुनिया भर में बढ़ती कीमतों का बोझ सीधे जनता पर डाल देना सबसे आसान रास्ता था और कई देशों ने ऐसा ही किया, लेकिन भारत ने यह रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने स्वयं भारी आर्थिक दबाव सहा ताकि आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा की जिंदगी पर कम से कम असर पड़े। सरकार ने लगभग पेट्रोल पर 24 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 30 रुपये प्रति लीटर का भार वहन किया। 28 फरवरी के बाद से वैश्विक स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूरोप और एशिया के कई देशों में पेट्रोल 30 से लेकर 35 प्रतिशत तक महंगा हुआ, जबकि भारत में कोई बदलाव नहीं किया गया। हांगकांग में आज पेट्रोल सबसे महंगा है। वहाँ एक लीटर की कीमत लगभग 295 रुपये पहुंच गई है, जो 28 फरवरी के बाद 25 प्रतिशत बढ़ी है। सिंगापुर में दाम 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 240 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नीदरलैंड में पेट्रोल 225 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है, जो 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। युद्धग्रस्त इजराइल में पेट्रोल 30 प्रतिशत महंगा होकर 185 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं भारत में अब भी पेट्रोल की कीमत 95 रुपये प्रति लीटर है।

प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ का घाटा उठाना कोई साधारण बात नहीं है। अब तक लगभग 68,000 करोड़ का बोझ सरकार और तेल कंपनियों ने अपने ऊपर लिया है। यह आंकड़ा उस संवेदनशील सोच का प्रमाण है जिसमें मोदी सरकार ने पहले नागरिकों की चिंता की और बाद में अपने खजाने की। सोचिए, यदि यही संकट बिना तैयारी के आया होता तो क्या स्थिति होती? रसोई गैस महंगी होती, परिवहन लागत बढ़ती, महंगाई हर घर तक पहुंचती और मध्यम वर्ग से लेकर गरीब तक का बजट डगमगा जाता।

लेकिन साल 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आते ही स्थितियां बदलनी शुरू हुईं। पिछले वर्षों में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जो दूरदर्शी तैयारी की गई, वही आज देश की ढाल बनकर खड़ी है। तेल भंडार तैयार किए गए, एथनॉल ब्लेंडिंग बढ़ाई गई, वैकल्पिक ईंधन नेटवर्क विकसित हुआ और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार शुरू हुआ। वैकल्पिक ईंधन के माध्यम से एलपीजी की मांग को 70 से 75 हजार टन प्रति दिन कम किया गया। यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि पीएनजी, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल और बायोमास की वैकल्पिक अवसंरचना संकट से पहले से तैयार थी। जापान और दक्षिण कोरिया के बाद भारत ही ऐसा देश है जो 30-दिवसीय एलपीजी भंडार की योजना बना रहा है।

इस युद्ध से उत्पन्न संकट से पता चलता है ये हमारी आज की आवश्यकता है। आज भारत के पास 5.33 मिलियन टन का रणनीतिक तेल भंडार है और दूसरे चरण के तहत चंडीखोल, पादुर और बीकानेर में अतिरिक्त भंडारण क्षमता तैयार की जा रही है। यह केवल परियोजनाएं नहीं हैं, बल्कि भविष्य के संकटों से देशवासियों को सुरक्षित रखने की तैयारी है। एथनॉल मिश्रण की नीति ने भी इस कठिन समय में देश को बड़ी राहत दी। 20 प्रतिशत ब्लेंडिंग के कारण भारत विदेशी मुद्रा की भारी बचत कर पा रहा है। संकट के दौरान वैकल्पिक ईंधन व्यवस्था के जरिए एलपीजी की मांग में प्रतिदिन 70 से 75 हजार टन तक कमी लाई गई। ये कदम बताते हैं कि सरकार ने केवल आज के लिए नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए भी सुरक्षा का रास्ता तैयार किया है।

युद्ध अब भी जारी है। आने वाले समय में कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं। लेकिन देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि जब पूरी दुनिया दबाव में थी, तब भारत सरकार ने अपने नागरिकों को अकेला नहीं छोड़ा। उसने एक अभिभावक की तरह जिम्मेदारी निभाई। सरकारें केवल योजनाओं और घोषणाओं से बड़ी नहीं बनतीं, बल्कि कठिन समय में अपने लोगों के साथ खड़े होने से बड़ी बनती हैं। इस वैश्विक संकट के दौर में भारत ने यही करके दिखाया है। यही कारण है कि आज देश का आम नागरिक सिर्फ राहत महसूस नहीं कर रहा, बल्कि उसके मन में यह भरोसा भी मजबूत हुआ है कि संकट चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, देश उसके साथ खड़ा है। हालांकि यह संकट अभी पूरी तरह टला नहीं है। समय की मांग यह भी है कि देश के नागरिक भी आने वाली चुनौतियों के प्रति सजग, संयमित और तैयार रहें। नागरिकों का कत्त्रव्य है कि ऊर्जा का इस्तेमाल किफायत से करें। वैशिवक संकट के बीच ढाल बनी भारत सरकार का धैर्यपूर्वक साथ दें।

डॉ. सुयश नारायण मिश्रा

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

समाज के लिए नर्सों के योगदान को नमन

- अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस (12 मई) पर विशेष

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता हैं, जिनकी इस वर्ष हम 206वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती को 12 मई को एक विशेष थीम के साथ ह्यअंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवसह्व के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। इस वर्ष यह दिवस ह्यहमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।ह्व थीम के साथ मनाया जा रहा है। इस विषय का उद्देश्य सुरक्षित वातावरण, उचित वेतन और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से नर्सों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके। ह्यलेडी विद द लैंपह्व के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 206 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से ह्यफ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कारह्व की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रैंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना।

फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आई। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ब्रिटिश सरकार द्वारा फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्तूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्की भेजा गया। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। फ्लोरेंस ने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यों के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से ह्यलेडी विद द लैंपह्व कहने लगे थे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहती थी1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटी, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। सेवाभाव से किए गए फ्लोरेंस नाइटिंगेल के कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया था, जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा सम्मानित किया गया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया, जिनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है। उनके सम्मान में ही उनके जन्मदिवस 12 मई को ह्यअंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवसह्व के रूप में मनाए जाने की शुरूआत की गई।

योगेश कुमार गोयल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दैनिक पंचांग

12 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	कुंभ में
मंगल	मेष में
बुध	मेष में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	05.35 बजे से
मिथुन	07.33 बजे से
कर्क	09.46 बजे से
सिंह	12.02 बजे से
कन्या	14.14 बजे से
तुला	16.25 बजे से
वृश्चिक	18.40 ब.से
धनु	20.56 बजे से
मकर	23.01 बजे से
कुंभ	00.47 बजे से
मीन	02.20 बजे से
मेष	03.51 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 132 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 14.53 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 01.18 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वैधृति 23.20 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 14.53 बजे तदनन्तर बव 02.18 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 05'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872707
जूलियन दिन 2461172.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद
तारीख 24

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7509

***** कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7508 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

बंगाल में मोदी के साष्टांग दंडवत के निहितार्थ

पीएम नरेंद्र मोदी हर बार कुछ नया करते हैं पहलीबार जब संसद की दहलीज पर शीश नमन किया तो उसकी आवाज दूर तक गयी इस बार तो मोदी बंगाल की जीत और शपथ ग्रहण समारोह में उमड़े जन सैलाब को देख इतना आह्लादित हुए कि मंच पर ही साष्टांग दंडवत कर जनता जनार्दन के दिल में गहराई तक हिलोरें चला गए। कुछ भी कहो मोदी के घोर आलोचक भी मोदी के करिश्माई नेता होने से इंकार नहीं कर सकते हैं। आपको बता दें भारतीय राजनीति के इतिहास में साल 2014 एक ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज है, जिसने न केवल केंद्र की सत्ता बदली, बल्कि राज्यों के राजनीतिक नक्शे को भी पूरी तरह से नई परिभाषा दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन भौगोलिक क्षेत्रों में अपनी पैठ बनाई है, जहां कभी पार्टी का अस्तित्व नगण्य माना जाता था। हाल ही में पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों ने इस सफर को एक नई ऊंचाई दी है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के अभेद्य शासन को समाप्त कर भाजपा ने बंगाल की सत्ता हासिल की है। यह केवल एक राज्य की जीत नहीं है, बल्कि उस लंबी यात्रा का शिखर है, जिसमें भाजपा ने पिछले 12 वर्षों में नौ ऐसे राज्यों में अपना पहला मुख्यमंत्री बनाया है, जहां पहले कभी उसका नेतृत्व नहीं रहा था भाजपा के इस स्वर्णिम काल की नींव 2014 में ही पड़ गई थी। हरियाणा, जिसे पारंपरिक रूप से लाल तिकड़ी और क्षेत्रीय क्षत्रपों का गढ़ माना जाता था, वहां भाजपा ने पहली बार अपने दम पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई।साल 2016 भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ, जब पार्टी ने पूर्वोत्तर भारत के प्रवेश द्वार असम में अपनी पहली सरकार बनाई। सबानंद सोनोवाल राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री बने। असम की यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि इसने पूरे पूर्वोत्तर में भाजपा के लिए रास्ते खोल दिए।असम के बाद अरुणाचल प्रदेश में भाजपा ने एक अलग रणनीति के तहत सत्ता हासिल की। 2016 में बड़े राजनीतिक उलटफेर के बीच पेमा खांडू ने कांग्रेस छोड़ी और अंततः अपने सहयोगियों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। इससे राज्य में भाजपा की पहली स्थिर सरकार बनी। इसी तरह 2017 में मणिपुर में भी भाजपा ने क्षेत्रीय दलों जैसे नेशनल पीपुल्स पार्टी और नगा पीपुल्स फ्रंट के साथ मिलकर सरकार बनाई।बिहार की राजनीति में भाजपा हमेशा से एक प्रमुख खिलाड़ी रही है, लेकिन वह लंबे समय तक नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकारों में कनिष्ठ सहयोगी की भूमिका में रही। दो दशकों के इंतजार के बाद 2026 में वह क्षण आया जब नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद भाजपा ने अपना पहला मुख्यमंत्री बनाया। पश्चिम बंगाल की जीत भाजपा की अब तक की सबसे कठिन और महत्वपूर्ण जीत मानी जा रही है। 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें जीतकर भाजपा ने उस राज्य में सरकार बनाई है, जो वैचारिक रूप से पार्टी के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण था।

परिवर्तनकारी नेता सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरूआत हो चुकी है। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि उस लंबे राजनीतिक संघर्ष की परिणति है, जिसने बंगाल की जनता के भीतर परिवर्तन, सुशासन और विकास की उम्मीद को मजबूत किया। भारतीय जनता पार्टी के लिए यह क्षण ऐतिहासिक इसलिए भी है, क्योंकि बंगाल को पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री मिला है। आजादी के बाद से यह राज्य कांग्रेस, वाम मोर्चा और तृणमूल कांग्रेस के शासन का साथी रहा, लेकिन अब राज्य की राजनीति में एक नया रंग, नई दिशा और नया विमर्श सामने आया है। भाजपा की जीत को पार्टी सोनार बांग्ला के संकल्प की शुरूआत के रूप में देख रही है। साथ ही सुवेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री पद तक पहुंचना भी अपने आप में बंगाल की राजनीति की असाधारण कहानी है। नगरपालिका के एक पार्षद से शुरू हुआ उनका सफर विधायक, सांसद, मंत्री, विपक्ष के नेता और अब मुख्यमंत्री तक पहुंचा है। यह यात्रा केवल पदों की सीढ़ी चढ़ने की कहानी नहीं, बल्कि जमीन से जुड़े राजनीतिक संघर्ष, संगठन क्षमता और जनाधार का प्रमाण है। पूर्वी मिदनापुर की गलियों से राज्य सत्ता के केंद्र तक पहुंचना उनके राजनीतिक व्यक्तित्व को अलग पहचान देता है। नंदीग्राम आंदोलन ने सुवेंदु अधिकारी को बंगाल की राजनीति में निर्णायक चेहरा बनाया। भूमि अधिग्रहण के खिलाफ हुए उस आंदोलन ने न केवल वाम मोर्चा सरक सरकार की जड़ों को हिलाया, बल्कि बंगाल में सत्ता परिवर्तन की पहली बड़ी पृष्ठभूमि भो तैयार की। सुवेर्दु उस आंदोलन में एक ऐसे संगठक के रूप में उभरे, जो जनता की स्थानीय पीड़ा को राजनीतिक शक्ति में बदलना जानते थे। यही कारण है कि उनका नेतृत्व केवल चुनावी रणनीति का परिणाम नहीं माना जा सकता, बल्कि संघर्ष से निकले नेतृत्व की श्रेणी में रखा जा सकता है। 2021 में नंदीग्राम से ममता बनर्जी को हराकर सुवेंदु अधिकारी ने अपनी राजनीतिक पहचान को और मजबूत किया। उस चुनाव में भाजपा भले सत्ता तक नहीं पहुंच सकी थी, लेकिन नंदीग्राम की जीत ने पार्टी को मनोवैज्ञानिक बढ़त दी। विपक्ष के नेता के रूप में उन्होंने तृणमूल सरकार के खिलाफ लगातार आक्रामक भूमिका निभाई और भाजपा कार्यकताओं के बीच एक दृढ़ नेता की छवि बनाई। यही कारण है कि सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए उनका नाम स्वाभाविक रूप से सबसे आगे माना गया। भाजपा विधायक दल में उनके नाम पर सर्वसम्मति भी यह बताती है कि पार्टी अब बंगाल में नेतृत्व को लेकर स्पष्टता चाहती है। लंबे समय तक भाजपा को बंगाल में बाहरी शक्ति के रूप में प्रचारित किया जाता रहा, लेकिन सुर्वेद अधिकारी जैसे स्थानीय और जमीनी नेता के मुख्यमंत्री बनने से भाजपा ने इस धारणा को चुनौती दी है। वे बंगाल की भाषा, मिट्टी, संघर्ष और सामाजिक मनोविज्ञान को समझने वाले नेता हैं। यही उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी है। मिदनापुर से मुख्यमंत्री बनना भी प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण है। बंगाल की सत्ता लंबे समय तक कोलकाता केंद्रित राजनीतिक अभिजात वर्ग के इर्द-गिर्द घूमती रही। अधिकारी का उभार इस व्यवस्था से बाहर के क्षेत्रीय नेतृत्व की स्वीकृति है। मिदनापुर में जश्न का माहौल केवल राजनीतिक खुशी नहीं, बल्कि क्षेत्रीय आत्मसम्मान की अभिव्यक्ति भी है। लोगों को उम्मीद है कि अब राज्य के उपेक्षित क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा में अधिक महत्व मिलेगा। अब सबसे बड़ी चुनौती भाजपा और सुर्वेद सरकार के सामने चुनावी वादों को प्रशासनिक परिणामों में बदलने की है। डबल इंजन सरकार का नारा जनता को तभी सार्थक लगेगा, जब राज्य और केंद्र के बीच बेहतर तालमेल से रोजगार, उद्योग, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर ठोस बदलाव दिखेगा। बंगाल में राजनीतिक हिंसा लंबे समय से गंभीर चिंता का विषय रही है। नई सरकार के लिए पहली कसौटी यही होगी कि वह भयमुक्त राजनीतिक वातावरण बना सके। सबसे पहली चुनौती कानून-व्यवस्था की है। बंगाल में राजनीतिक हिंसा, दलगत टकराव, सिंडिकेट संस्कृति और चुनावी हिंसा लंबे समय से गंभीर मुद्दे रहे हैं। भाजपा ने अपने चुनाव प्रचार में इन्हीं मुद्दों को प्रमुखता से उठाया था। अब जनता देखेगी कि नई सरकार अपराध और राजनीतिक संरक्षण के कथित गठजोड़ पर कितनी सख्ती दिखाती है। कानून का राज तभी स्थापित होगा जब कार्रवाई निष्पक्ष हो, चाहे आरोपी किसी भी दल, समूह या प्रभावशाली वर्ग से जुड़ा हो। दूसरी बड़ी चुनौती प्रशासनिक सुधार की है। बंगाल में वर्षों से सरकारी व्यवस्था पर राजनीतिक हस्तक्षेप के आरोप लगते रहे हैं। यदि नई सरकार सचमुच सुशासन का दावा करती है, तो उसे थाने, ब्लॉक कार्यालय, पंचायत व्यवस्था, नगर प्रशासन और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता लानी होगी।

मनोज कुमार अग्रवाल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त खबरें

हंसराज विश्वकर्मा के राज्य मंत्री बनाए जाने पर महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने दी बधाई

वाराणसी। महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने हंसराज विश्वकर्मा को राज्य मंत्री बनाए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

महानगर अध्यक्ष ने ईश्वर से उनके सफल, यशस्वी एवं जनसेवा से परिपूर्ण कार्य की कामना करते हुए कहा कि उनके कार्यों से प्रदेश विकास एवं सुशासन की ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

बधाई देने वाले अन्य लोगों में राहुल सिंह, चंद्रशेखर उपाध्याय, प्रमोद यादव मुन्ना, अशोक कुमार पाण्डेय, प्रमील पाण्डेय आदि हैं।

वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत सीमा के गांवों का विकास करा रही केंद्र सरकार : सांसद आनंद गौड़

लखनऊ, (एजेंसी) :उत्तर प्रदेश की बहराइच लोकसभा क्षेत्र से सांसद आनंद गौड़ ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत नेपाल सीमा से सटे गांवों का विकास करा रही है।

उत्तर प्रदेश की बहराइच लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से 2024 में चुनकर संसद पहुंचे आनंद गौड़ ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय की वाइब्रेंट विलेज योजना संचालित की जा रही है। इस योजना में बहराइच के 34 गांवों को शामिल किया गया है। इससे गांवों का चहुमुखी विकास किया जाएगा। मसलन उन गांवों में आधुनिक विद्यालय, सड़क, नाली, बिजली, अस्पताल जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इससे एक वर्ग द्वारा डेमोग्राफिक बदलाव की कोशिशें कमजोर पड़ेंगी। साथ ही पलायन की आशंका दूर होगी।

उन्होंने बताया कि पूरे बॉर्डर क्षेत्र में सड़क बनाने की योजना भी संचालित है। यह योजना भी गृह मंत्रालय की ओर से चलाई जा रही है। कई सड़कें बनाई जा रही हैं। इससे पहले उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ सरकार ने सीमा से जुड़े क्षेत्रों में सरकारी भूमि से कब्जे हटाये हैं। कई अवैध मदरसे चल रहे थे, उनका ध्वस्तीकरण किया गया है। योगी सरकार में बेटियां सुरक्षित हैं। व्यापारी सुरक्षित हैं। छात्रों का भविष्य उज्ज्वल है। कानून व्यवस्था ठीक होने की वजह से आज उत्तर प्रदेश में उद्यमी निवेश कर रहे हैं।बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जिन अल्पसंख्यक संस्थानों में अल्पसंख्यक छात्रों की संख्या कम है और बहुसंख्यक छात्रों की संख्या ज्यादा है, उन संस्थानों का अल्पसंख्यक का दर्ज समाप्त होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जिस भी धर्म, समुदाय व पंथ की आबादी 20 फीसदी से अधिक हो उसका अल्पसंख्यक का दर्जा समाप्त होना चाहिए। इससे अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों का विकास होगा।सांसद आनंद गौड़ ने 2027 के विधानसभा चुनाव पर उन्होंने कहा कि बहराइच की सभी विधानसभा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी की जीत सुनिश्चित है। 2027 में एक बार भाजपा सरकार बनेगी। हम सारे रिकॉर्ड ध्वस्त करेंगे।

'ऑपरेशन सिंदूर' की याद में सैनिकों ने नई दिल्ली में लगातार लगाई 88 घंटे दौड़

वायु सेना, सेना, नागरिक स्वयंसेवकों के 600 धावकों ने इस दौड़ में भाग लिया

नई दिल्ली, (एजेंसी) : पिछले साल पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को तबाह करने के लिए शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली सालगिरह पर भारतीय वायु सेना ने नई दिल्ली में 88 घंटे लगातार दौड़ का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना की सभी कमानों से कुल 600 धावकों ने भाग लिया।

इस दौड़ को 7 मई को सुबह 1:05 बजे एयर ऑफिसर इन चार्ज एडमिनिस्ट्रेशन (एओए) ने इंडिया गेट से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसका समापन 10 मई को शाम 5:00 बजे एयर फोर्स स्टेशन नई दिल्ली में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने किया। यह दौड़ 88 घंटे तक चलने वाली निरंतर रिले प्रारूप में आयोजित की गई थी, जिसमें असैनिक अधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नागरिक स्वयंसेवकों ने भी दौड़ में पूरे जोश के साथ भाग लिया। वायु सेना के बैंड ने भी 10 मई को नेहरू पार्क में सुबह 6:30 से सुबह 8:00 बजे तक लाइव प्रस्तुति दी।

इसका रूट दिल्ली के महत्वपूर्ण स्थलों से होकर गुजरा, जिनमें इंडिया गेट, ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग, वायु सेना मुख्यालय वायु भवन, नेहरू पार्क और न्यू मोती बाग रोड शामिल हैं। इस दौड़ का उद्देश्य भारतीय वायु सेना के कर्मियों के बीच एकजुटता की भावना को बढ़ावा देना और साथ ही भारतीय रक्षा बलों की आम लोगों तक पहुंच और उपस्थिति को बढ़ाना था। 'ऑपरेशन सिंदूर यादगार श्रृंखला दौड़' का सफल आयोजन न केवल भारतीय वायु सेना के संचालन के इतिहास के महत्वपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि आम लोगों की भागीदारी के माध्यम से हासिल की गई उत्कृष्ट टीम वर्क का भी प्रमाण है।

नई श्रम संहिताओं पर खरगे ने उठाए सवाल

नई दिल्ली,(एजेंसी) : केंद्र सरकार द्वारा नई श्रम संहिताओं को अधिसूचित किए जाने के बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इन श्रम संहिताओं को मजदूर-विरोधी बताते हुए सरकार पर श्रमिक अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगाया है।खरगे ने सोमवार को एक बयान में आरोप लगाया कि सरकार ने विधानसभा चुनावों के बाद राजपत्र अधिसूचनाओं के जरिए चार नई श्रम संहिताओं को लागू किया। उन्होंने कहा कि इन प्रावधानों से ह्यहायर एंड फायरह्ण की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल सकता है और करोड़ों श्रमिकों की नौकरी सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।कांग्रेस अध्यक्ष ने वेतन संहिता 2019 पर आपत्ति जताते हुए कहा कि मूल वेतन को कुल वेतन का 50 प्रतिशत अनिवार्य करने से कर्मचारियों के हाथ में आने वाली राशि

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व काशी में गूंजा सनातन गौरव का संदेश

वाराणसी(एजेंसी) : श्री काशी विश्वनाथ धाम में सोमवार को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान सोमनाथ की प्रतिकृति पार्थिव ज्योतिर्लिंग की स्थापना कर जलाभिषेक एवं पूजन भी किया गया।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि सोमनाथ और काशी भारत की सनातन चेतना एवं सांस्कृतिक एकता के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि ह्लसोमनाथ स्वाभिमान पर्वह्व हजार वर्षों की उस आस्था और स्वाभिमान की गाथा है, जिसे तमाम आक्रमणों के बावजूद मिटाया नहीं जा सका।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन संस्कृति को कभी पराजित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि विदेशी आक्रांताओं ने मंदिरों को निशाना बनाया, लेकिन भारत की आध्यात्मिक चेतना को नहीं तोड़ सके। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ धाम, सोमनाथ, महाकाल लोक और अयोध्या धाम जैसे तीर्थों के पुनरुत्थान की सराहना की।कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं। इस अवसर पर मंत्री अनिल राजभर, रविन्द्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र ह्लदयालुह्ण, हंसराज विश्वकर्मा, महापौर अशोक तिवारी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

देश में पहली जुलाई से लागू होगा विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम, ग्रामीण परिवारों को मिलेगी 125 दिन रोजगार की गारंटी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास और रोजगार को नई दिशा देने के उद्देश्य से ह्यविकसित भारतझ्रगारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)ह्ण यानी विकसित भारत (वीबी) झ्रजी राम जी अधिनियम, 2025 को अधिसूचित कर दिया है। यह नया कानून 1 जुलाई 2026 से देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगा और इसके साथ ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), 2005 निरस्त माना जाएगा।

सरकार के अनुसार नए अधिनियम के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार को, जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक हैं, हर वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के वैधानिक रोजगार की गारंटी दी जाएगी। वर्तमान में मनरेगा के तहत 100 दिनों के रोजगार का प्रावधान है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के बयान में कहा गया कि यह अधिनियम विकसित भारत@2047 के विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास को अधिक समेकित, उत्पादक और भविष्य उन्मुख बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

अधिनियम के तहत रोजगार की मांग करने वाले श्रमिकों को तय समय-सीमा के भीतर काम उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि में काम नहीं मिलने पर श्रमिक बेरोजगारी भत्ते के पात्र होंगे। सरकार ने मजदूरी भुगतान व्यवस्था को भी अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाने का दावा किया है। मजदूरी का भुगतान प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे बैंक या डाकघर खातों में किया जाएगा। मस्टर रोल बंद होने के 15 दिनों के भीतर भुगतान नहीं होने पर श्रमिकों को विलंब मुआवजा दिया जाएगा।

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए इस योजना के लिए 95,692.31 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया है, जिसे ग्रामीण रोजगार कार्यक्रमों के लिए अब तक का सबसे बड़ा प्रारंभिक आवंटन बताया गया है। राज्यों के अंश सहित कुल व्यय 1.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहने का अनुमान है।

राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान को बनाएंगे 'ग्लोबल टेक्नोलॉजी लीडर' : डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी) : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोमवार को विश्वास व्यक्त किया कि देश के राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों का योगदान भारत को ग्लोबल टेक्नोलॉजी लीडर बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि ह्यविज्ञान-टेकह्ण कार्यक्रम भविष्य में सहयोग आधारित अनुसंधान और नवाचार का एक आदर्श मॉडल बनेगा। यह कार्यक्रम इस बात का उदाहरण प्रस्तुत करेगा कि सार्वजनिक अनुसंधान किस प्रकार वास्तविक दुनिया में व्यापक और सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक तकनीकी साख लगातार मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि आज भारत विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में तेजी से नए आयाम स्थापित कर रहा है। जेनेटिक कोड की डिकोडिंग से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान तक भारत की उपलब्धियां विश्व स्तर पर पहचान बना रही हैं।

उन्होंने कहा कि तकनीक अब केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह आम लोगों के जीवन को भी सीधे प्रभावित कर रही है। गहरे समुद्र में रोबोटिक्स तकनीक, सुनामी चेतावनी प्रणाली और आपदा प्रबंधन तंत्र जैसे नवाचार देश को अधिक सुरक्षित और आपदा-सक्षम बना रहे हैं। इसके अलावा जैव-फोर्टिफाइड फसलों, स्वच्छ ऊर्जा और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत तेजी से प्रगति कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित ह्यविज्ञान-टेकह्ण कार्यक्रम इस वर्ष विशेष आकर्षण का केंद्र है। इस कार्यक्रम में 14 मंत्रालय और विभाग एक ही मंच पर अपने अनुसंधान संस्थानों के साथ स्वदेशी तकनीकों का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में लैब-टू-मार्केट सफलता की कहानियों और मजबूत नवाचार इकोसिस्टम को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि 11 मई भारत के इतिहास का एक गौरवशाली दिन है।

भारत विकास परिषद आस्था का 11वां दायित्व ग्रहण समारोह संपन्न

नवीन पदाधिकारियों ने ली शपथ, सेवा एवं संस्कार कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प

वाराणसी(एजेंसी) :भारत विकास परिषद की आस्था शाखा का 11वां दायित्व ग्रहण समारोह शनिवार को महमूरगंज स्थित होटल वंशीवट में आयोजित किया गया। कार्यक्रम सत्र 2025-26 के अध्यक्ष प्रमोद सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) राणा गोपाल सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विजया श्रीवास्तव ने वंदे मातरम्‌ का गायन प्रस्तुत किया।

समारोह में परिषद की राष्ट्रीय दायित्वधारी डॉ. शिप्रा धर, क्षेत्रीय दायित्वधारी सुनील सिन्हा एवं श्रद्धा अग्रवाल सहित काशी प्रांत के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। नवीन सत्र 2026-27 के अध्यक्ष महिमा शंकर तिवारी, सचिव विनोद कुमार सिंह एवं कोषाध्यक्ष अमित कुमार श्रीवास्तव को प्रांतीय महासचिव डॉ. सचिन अग्रवाल ने शपथ दिलाई। वहीं गतिविधि संयोजकों अनिता यादव, रमन श्रीवास्तव, दिनेश कुमार राय, सुबोध कुमार सिन्हा एवं शशि उपाध्याय को प्रांतीय वित्त सचिव विवेक तिवारी ने दायित्व ग्रहण कराया।इस अवसर पर आशीष शांडिल्य एवं अमित जायसवाल ने सपत्नीक परिषद से जुड़ने का संकल्प लिया। पूर्व अध्यक्ष प्रमोद सिंह ने पिछले सत्र में उत्कृष्ट सहयोग देने वाले सदस्यों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने प्रमोद सिंह को उत्कृष्ट नेतृत्व सम्मान प्रदान किया। रौनक सिंह को गणेश वंदना की प्रस्तुति तथा पूजा गुप्ता को सहयोग हेतु सम्मानित किया गया। शाखा संरक्षक डॉ. महेंद्र राय को विशेष अध्यक्षीय सम्मान प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. राणा गोपाल सिंह ने शाखा द्वारा किए जा रहे संस्कार एवं सेवा कार्यों की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। डॉ. शिप्रा धर ने भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। सुनील सिन्हा ने सदस्यों की समर्पण भावना की प्रशंसा की, जबकि डॉ. सचिन अग्रवाल ने प्रेरणादायी कविता के माध्यम से दायित्वधारियों का उत्साहवर्धन किया। प्रमोद राम त्रिपाठी ने परिषद के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए समाज सेवा से जुड़ने की अपील की।कार्यक्रम का संचालन संजय सिंह एवं प्रमोद सिंह ने संयुक्त रूप से किया। अंत में दिनेश कुमार राय ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बनारस मेडिसिटी हॉस्पिटल में हार्ट की छह जटिल सर्जरी सफल

दिल्ली एवं वाराणसी के विशेषज्ञ कार्डियोलॉजिस्टों की टीम ने किया सफल उपचार

वाराणसी(एजेंसी) : सिगरा-महमूरगंज रोड स्थित बनारस मेडिसिटी हर्ट एण्ड मल्टी सुपर स्पेसीलिटी हास्पिटल में हार्ट से जुड़ी छह जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की गईं। अस्पताल के सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अभिनव पाडिया एवं दिल्ली से आए सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. आर.डी. यादव ने संयुक्त रूप से इन ऑपरेशनों को अंजाम दिया।

इनमें तीन सर्जरी बीएमवी बैलून मिटरल वाल्वोपलास्टी की थीं। इस प्रक्रिया में हृदय की सिकुड़ी हुई वाल्व को बैलून की सहायता से फैलाकर सामान्य स्थिति में लाया जाता है।

इसके अतिरिक्त दो मरीजों का पेरिफेरल एंजियोप्लास्टी ऑपरेशन किया गया, जिनमें किडनी की मुख्य नस सिकुड़ गई थी। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्टेंट की सहायता से नस को सफलतापूर्वक रिपेयर किया।

छठा महत्वपूर्ण ऑपरेशन आरएसवोवी का था, जिसमें हृदय की मुख्य रक्तवाहिका फट गई थी। चिकित्सकों ने तार एवं विशेष डिवाइस की सहायता से नस को सफलतापूर्वक बंद कर मरीज को राहत प्रदान की।अस्पताल प्रशासन ने बताया कि बनारस मेडिसिटी हॉस्पिटल पूर्वांचल एवं आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को अत्याधुनिक एवं उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। भविष्य में भी इसी प्रकार की जटिल सर्जरी एवं उन्नत चिकित्सा सुविधाएं मरीजों को प्रदान की जाती रहेंगी।

तेलुगु अभिनेता भरत कांत का सड़क हादसे में निधन

हैदराबाद, (एजेंसी) : तेलुगु अभिनेता भरत कांत का हैदराबाद में हुए सड़क हादसे में निधन हो गया। हादसे के वक्त उनके साथ सिनेमैटोग्राफर जी साई त्रिलोक भी थे। इस दुर्घटना में उनकी भी मौत हो गई। पुलिस ने इसकी पुष्टि की।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा हैदराबाद के आउटर रिंग रोड पर आदिबतला पुलिस थाना क्षेत्र में हुआ। एग्जिट 12 के पास अभिनेता की कार और एक ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हुई, जिसमें 31 वर्षीय भरत कांत और जी साई त्रिलोक की मौके पर ही मौत हो गई।

भरत कांत मूल रूप से नेल्लोर के रहने वाले थे। वह अभिनेता होने के साथ-साथ डांसर और कंटेंट क्रिएटर भी थे। उन्होंने साल 2021 में निर्देशक चेन्ना नारायण की फिल्म ग्रामम से अभिनय की शुरूआत की । वह साल 2024 में टेनेंट में नजर आए थे।

तमिलनाडु : सबसे युवा मुख्यमंत्रियों की सूची में शामिल हुए जोसेफ विजय

चेन्नई, (एजेंसी) : तमिलनाडु की राजनीति में रविवार को एक नए दौर की शुरूआत हुई, जब अभिनेता से राजनेता बने जोसेफ विजय ने राज्य के 18वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही वह तमिलनाडु के सबसे कम उम्र में मुख्यमंत्री बनने वाले नेताओं की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनकी यह उपलब्धि इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने अपनी पार्टी ह्यतमिलग वेट्री काजगमह्ण की स्थापना के केवल दो वर्षों के भीतर सत्ता हासिल कर ली।

तमिलनाडु के राजनीतिक इतिहास में अब तक 18 नेता मुख्यमंत्री पद संभाल चुके हैं। इनमें सबसे कम उम्र में मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड जे. जयललिता के नाम दर्ज है। उन्होंने वर्ष 1991 में मात्र 43 वर्ष की आयु में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर इतिहास रचा था। जयललिता राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री भी थीं और लंबे समय तक तमिलनाडु की सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिनी जाती रहीं।सबसे कम उम्र में मुख्यमंत्री बनने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर द्रविड़ राजनीति के दिग्गज नेता एम. करुणानिधि हैं, जिन्होंने 44 वर्ष की उम्र में मुख्यमंत्री पद संभाला था। तीसरे स्थान पर ओ. पन्नीरसेल्वम हैं, जिन्होंने 50 वर्ष की

आयु में मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली।पूर्व मुख्यमंत्री के. कामराज 51 वर्ष की आयु में मुख्यमंत्री बने थे। अब जोसेफ विजय ने भी 51 वर्ष की उम्र में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर इस सूची में अपना स्थान बना लिया है। हालांकि समान आयु होने के बावजूद कामराज को उनसे पहले स्थान दिया गया है।इसके अलावा द्रविड़ आंदोलन के प्रमुख नेता सी. एन. अन्नादुरई 57 वर्ष की आयु में मुख्यमंत्री बने थे, जबकि लोकप्रिय अभिनेता-राजनेता एम. जी. रामचंद्रन ने 60 वर्ष की आयु में राज्य की कमान संभाली थी।हाल के वर्षों में मुख्यमंत्री बने नेताओं की बात करें तो एदप्पाड़ी के. पलानीस्वामी 62 वर्ष की आयु में मुख्यमंत्री बने, जबकि एम. के. स्टालिन ने 68 वर्ष की उम्र में मुख्यमंत्री पद संभाला।तमिलनाडु के राजाीतिक इतिहास में के. कामराज को उनकी सादगी, प्रशासनिक क्षमता और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए विशेष सम्मान प्राप्त है। उन्हें ह्लशिक्षा की आंखें खोलने वाले नेताह्व के रूप में याद किया जाता है।वहीं, सी. एन. अन्नादुरई ने तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा बदलाव लाते हुए कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर पहली बार द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को सत्ता तक पहुंचाया। उनके निधन के बाद एम. करुणानिधि लंबे समय तक राज्य की राजनीति के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल रहे।अब जोसेफ विजय की एंट्री को तमिलनाडु की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। फिल्मी दुनिया में लोकप्रियता हासिल करने के बाद राजनीति में उनका तेज उभार और कम समय में सत्ता तक पहुंचना राज्य की राजनीति में नई मिसाल माना जा रहा है।

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें ।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं।

पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डेबल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या संसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं।

मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें।

बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।